विश्व हिंदी समाचार

Vishwa Hindi Samachaar

विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस का त्रैमासिक सूचना-पत्र

वर्ष: 17 | अंक: 63 | सितंबर , 2023

हिंदी दिवस 2023

हिंदी दिवस 2023 के उपलक्ष्य में विश्व भर में हिंदी की अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस वर्ष विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस सहित भारत, बीजिंग, हंगरी, कोंगो, नेपाल, न्यूयॉर्क, न्यूज़ीलैंड, सेशेल्स, स्पेन, श्रीलंका, सूरीनाम, त्रिनिदाद एवं टोबैगो, यूक्रेन, ऑस्ट्रेलिया, क्रोएशिया आदि देशों में हिंदी की धूम मची। विश्व हिंदी सचिवालय तथा उक्त देशों में विश्व हिंदी दिवस की गतिविधियों की रिपोर्ट इस अंक में पढ़ें। ***पृ. 3-8***

विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस द्वारा हिंदी दिवस का आयोजन

14 एवं 15 सितंबर, 2023 को विश्व हिंदी सचिवालय द्वारा हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 'हिंदी एवं जन-संचार' विषयक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत से डॉ. जवाहर कर्नावट को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। ***पृ. 3-4***

द्विदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय हिंदी साहित्य सम्मेलन

3 एवं 4 अगस्त, 2023 को आई. पी. फ़ाउंडेशन, भारत के सहयोग से विश्व हिंदी सचिवालय द्वारा द्विदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय हिंदी साहित्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। स्वागत समारोह में कला एवं सांस्कृतिक धरोहर मंत्री, माननीय श्री अविनाश तिलक तथा समापन समारोह में मॉरीशस गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम श्री पृथ्वीराजसिंह रूपन, जी.सी.एस.के. मुख्य अतिथि रहे। ज्योतिषाचार्य, महामहोपाध्याय, आचार्य इन्दु प्रकाश मिश्रा तथा शिक्षा मंत्रालय के स्थायी सचिव, श्री युधिष्ठिर मनबोध ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। ***पृ. 2-3***

वर्धा में 'पश्चिमी भारत की भाषाओं में रामकथा' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

20 जुलाई, 2023 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा एवं अयोध्या शोध संस्थान, अयोध्या के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी साहित्य विभाग द्वारा 'पश्चिमी भारत की भाषाओं में रामकथा' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। ***पृ. 9***

दिल्ली में 'श्रीमद्भगवद्गीता-दोहा रूपांतरण' और 'यक्ष प्रिया की पाती' का लोकार्पण

15 जुलाई, 2023 को केंद्रीय साहित्य अकादेमी के सभागार में प्रख्यात दोहाकार डॉ. जगमोहन शर्मा की पुस्तकों 'श्रीमद्भगवद्गीता-दोहा रूपांतरण' और महाकवि कालिदास के 'मेघदूत' पर आधारित 'यक्ष प्रिया की पाती' का लोकार्पण किया गया। ***पृ. 13***

डॉ. अमिता दुबे को 'सर्वभाषा साहित्य सृजन सम्मान 2023'

11 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली में हिंदी की सुपरिचित कवयित्री, कथाकार, आलोचक डॉ. अमिता दुबे को सर्वभाषा ट्रस्ट की ओर से 'सर्वभाषा साहित्य सृजन सम्मान' से सम्मानित किया गया ***पृ. 14***

इस अंक में आगे पढ़ें :

- उत्सव, कार्यशाला, संगोष्ठी, कार्यक्रम, आभासी कार्यक्रम, साक्षात्कार, प्रतियोगिता — पृ. 8-13
- लोकार्पण — पृ. 13-14
- सम्मान एवं पुरस्कार — पृ. 14-15
- संपादकीय — पृ. 16

ISSN 1694-2485

विश्व हिंदी सचिवालय द्वारा द्विदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय हिंदी साहित्य सम्मेलन

3 एवं 4 अगस्त, 2023 को आई. पी. फ़ाउंडेशन, भारत के सहयोग से विश्व हिंदी सचिवालय द्वारा द्विदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय हिंदी साहित्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। उद्घाटन-समारोह मंगलाचरण तथा दीप-प्रज्ज्वलन से आरम्भ हुआ। तदुपरांत भारत, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया से पधारे प्रतिभागियों ने सरस्वती-वंदना प्रस्तुत की।

उत्तर प्रदेश, भारत की लेखिका डॉ. स्मिता मिश्र एवं उनकी टीम ने काव्यांजलि प्रस्तुत की, जिसमें कलाकारों ने तुलसीदास, महादेवी वर्मा, सरोजिनी नायडू, मीराबाई, कबीरदास, हरिवंशराय बच्चन, सुभद्रा कुमारी चौहान, दुष्यंत कुमार त्यागी तथा जयशंकर प्रसाद की भूमिका निभाई।

मुख्य अतिथि, कला एवं सांस्कृतिक धरोहर मंत्री, माननीय श्री अविनाश तिलक ने बताया कि आज मॉरीशस में हिंदी तथा भोजपुरी के विकास हेतु महत्त्वपूर्ण काम किए जा रहे हैं। ज्योतिषाचार्य, महामहोपाध्याय, आचार्य इन्दु प्रकाश मिश्र ने शिक्षा द्वारा वैज्ञानिक सोच का विकास करने का संदेश दिया। विश्व हिंदी सचिवालय की महासचिव, डॉ. माधुरी रामधारी ने स्वागत-संदेश में हिंदी भाषा को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने में हिंदी साहित्यकारों के योगदान का रेखांकन किया।

इस अवसर पर डॉ. सोमदत्त काशीनाथ की पुस्तक 'मेरी तितली', डॉ. बलवंतसिंह नौबतसिंह की पुस्तक 'बरगद', आई.पी. फ़ाउंडेशन द्वारा प्रकाशित डॉ. भरत कात्यायन की शोध-पत्रिका, डॉ. स्मिता मिश्र के उपन्यास 'ट्रॉमा बॉडिंग', श्रीमती शारदा मित्तल कृत 'वसुधा से व्योम तक' और श्रीमती प्रीति मिश्र द्वारा रचित 'गंगाबाई तथा अन्य कहानियाँ' का विमोचन किया गया।

द्वितीय सत्र : काव्य-प्रस्तुति

द्वितीय सत्र का आरंभ श्रीमती शारदा मित्तल के दोहों से हुआ। उन्होंने कहा कि "मानव होना भाग्य है, कवि होना सौभाग्य है।" शिक्षा, तृतीयक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के स्थायी सचिव, श्री युधिष्ठिर मनबोध ने हिंदी की शक्ति पर प्रकाश डाला। भारत, ओमान और मॉरीशस के कवियों ने अपनी-अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं।

तृतीय सत्र : गीत-प्रस्तुति

तृतीय सत्र का आरंभ मॉरीशस के राष्ट्रीय कवि ब्रजेन्द्र कुमार भगत 'मधुकर' द्वारा रचित 'देश की खातिर काम करेंगे, कभी नहीं आराम करेंगे' गीत की प्रस्तुति से हुआ। इसके पश्चात् शारदा हिंदी पाठशाला एवं प्लेन दे पापाय रामायण मंडली के कलाकारों ने 'देवी मैया अइलन पहुनवा, हम लीपी ला अंगनवा' गीत प्रस्तुत किया और ज्ञान सरोवर विदुषी मंडल, मॉरीशस के कलाकारों ने तुलसी के दोहे/चौपाइयों से सभागार को मंत्रमुग्ध किया। भारत तथा ओमान के कलाकारों द्वारा 'कंगना लाइदे मोर सजन, मोर गौना होय जाय' लोकगीत का गायन हुआ। एकल गीतों की भी प्रस्तुति हुई। अंतर्राष्ट्रीय हिंदी साहित्य सम्मेलन के प्रथम दिवस में उद्घाटन-सत्र का संचालन श्रीमती प्रीति मिश्र व डॉ. सोमदत्त काशीनाथ ने किया, द्वितीय सत्र का संचालन श्रीमती सौम्या मिश्र एवं विश्व हिंदी सचिवालय के वरिष्ठ सहायक संपादक, श्री प्रकाश वीर ने किया और तृतीय सत्र का संचालन डॉ. सोमदत्त काशीनाथ तथा श्रीमती शारदा मित्तल ने किया। धन्यवाद-ज्ञापन उपमहासचिव डॉ. शुभंकर मिश्र ने किया।

द्वितीय दिवस - प्रथम सत्र : आलेख-प्रस्तुति

द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र की शुरुआत यूनिवर्सिटी ऑफ़ ब्रिटिश कोलम्बिया, कनाडा की सहायक प्राध्यापिका, डॉ. निखिता ओबीगाडू के संबोधन से हुई। उन्होंने अभिमन्यु अनत द्वारा रचित 'लाल पसीना' तथा गीतांजलि श्री द्वारा रचित 'रेत समाधि' पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके पश्चात् हिंदी विद्वानों ने अपने-अपने आलेख प्रस्तुत किए।

द्वितीय सत्र : नाटक-प्रस्तुति

द्वितीय सत्र का प्रारंभ कनाडा की सौम्या मिश्र द्वारा लिखित एवं निर्देशित 'बाल हनुमान' नाटक की प्रस्तुति से हुआ। फिर मॉरीशस के नाटककार श्री अनिल दान्हू द्वारा रचित 'ज्ञान सरोवर' नाटक का मंचन हुआ। इस अवसर पर डॉ. कविता सिंह प्रभा द्वारा रचित नुक्कड़ नाटक 'मैं हिंदी हूँ' प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त, श्री राजेंद्र सदासिंह द्वारा लिखित व श्री लालधन सिबुआ द्वारा निर्देशित 'सावधान' नाटक का मंचन हुआ।

समापन-सत्र

समापन-सत्र में मॉरीशस गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम श्री पृथ्वीराजसिंह रूपन, जी.सी.एस.के. ने अपने संदेश में मॉरीशस की आज़ादी की लड़ाई में लेखकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। भारत से आए विद्वान श्री चंद्रमणि सिंह ने 'विज्ञान एवं दर्शन' विषय पर विस्तार से चर्चा की। श्री युधिष्ठिर मनबोध ने दैनिक जीवन में हिंदी बोलने, पढ़ने और लिखने का निवेदन किया। विश्व हिंदी सचिवालय की महासचिव, डॉ. माधुरी रामधारी ने वर्तमान समय में हिंदी साहित्य के विकास पर प्रसन्नता व्यक्त की। महामहिम राष्ट्रपति ने डॉ. स्मिता मिश्र, श्रीमती प्रीति मिश्र, श्रीमती सौम्या मिश्र तथा श्रीमती शारदा मित्तल को प्रमाण-पत्र देकर तथा विश्व हिंदी सचिवालय की महासचिव, डॉ. माधुरी रामधारी ने अंग-वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर डॉ. सोमदत्त काशीनाथ की पुस्तक 'मुझे लहरों से बातें करनी है', डॉ. सविता चड्ढा कृत 'दशरथ महल', डॉ. कविता सिंह 'प्रभा' द्वारा रचित 'एक टुकड़ा धूप', श्रीमती कृष्णा गोयल की पुस्तक 'हिन्दू त्योहार और विज्ञान', श्रीमती ज्योत्सना कलकल द्वारा लिखित 'खुश रहना तुम' तथा श्रीमती उमंग सरीन की कृति 'परछाइयों के पार' का लोकार्पण किया गया। इसके बाद श्रीमती मीनाक्षी पांडेय ने एक मनमोहक लघु गीत का

गायन किया तथा श्रीमती सौम्या मिश्र द्वारा रचित 'स्वराज' नाटक की प्रस्तुति हुई। अंतर्राष्ट्रीय हिंदी साहित्य सम्मेलन के द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र का संचालन श्रीमती सौम्या मिश्र तथा श्री प्रकाश वीर ने किया। द्वितीय सत्र का संचालन श्रीमती शारदा मित्तल तथा डॉ. सोमदत्त काशीनाथ ने किया और समापन-सत्र का संचालन श्रीमती सौम्या मिश्र एवं डॉ. सोमदत्त काशीनाथ ने किया।

विश्व हिंदी सचिवालय की रिपोर्ट

हिंदी दिवस 2023

विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस द्वारा हिंदी दिवस का आयोजन

14 सितंबर, 2023 को विश्व हिंदी सचिवालय ने शिक्षा, तृतीयक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और भारतीय उच्चायोग के तत्त्वावधान में हिंदी दिवस का आयोजन किया। इस उपलक्ष्य में 14 एवं 15 सितंबर, 2023 को मॉरीशस ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन और महात्मा गांधी संस्थान के हिंदी विभाग के सहयोग से 'हिंदी एवं जन-संचार' विषयक दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

उद्घाटन-समारोह का शुभारंभ दीप-प्रज्ज्वलन से हुआ। इस अवसर पर भारतीय उप-उच्चायुक्त श्री विमर्श आर्यन ने बताया कि कोविड के समय विश्व स्वास्थ्य संगठन में साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस हिंदी में अनुवादित किया जाता था, यह हिंदी के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। अतिथि वक्ता भोपाल, भारत से पधारे रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के प्रवासी भारतीय साहित्य एवं संस्कृति शोध केंद्र के सलाहकार, डॉ. जवाहर कर्नावट ने अपने वक्तव्य में बताया कि हिंदी को राजभाषा घोषित करने के बाद हिंदी का बहुत कार्य सरकारी स्तर पर हुआ है।

विश्व हिंदी सचिवालय की महासचिव, डॉ. माधुरी रामधारी ने स्वागत-संदेश देते हुए बताया कि हिंदी भाषा के प्रभाव को बढ़ाने एवं हिंदी की अनुगूंज को दूर-दूर तक पहुँचाने के उद्देश्य से हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस उत्साहपूर्वक मनाया जाता है।

इस अवसर पर विश्व के 31 देशों में हिंदी पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से 'हमारी प्यारी हिंदी' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

समारोह में 'स्मॉल रोज़ेज़ पूर्व-प्राथमिक पाठशाला', 'एस.एस. रामगुलाम पूर्व-प्राथमिक केन्द्र', 'काँ शापलों इंफ़ेन्ट स्कूल', 'हंप्ति दंप्ति पूर्व-प्राथमिक पाठशाला', 'काँदोस पूर्व-प्राथमिक पाठशाला', 'बांबु विरिये पूर्व प्राथमिक पाठशाला', 'आँरिएता म्युनिसिपल स्कूल', वाक्वा-फ़ेनिक्स और 'डी. बसंत राय सरकारी पूर्व प्राथमिक पाठशाला' के छात्रों ने बाल-गीतों की सुंदर प्रस्तुति की।

हरियाणा में, माइक्रोसॉफ़्ट के स्थानीय भाषा एवं अभिगम्यता के निदेशक, श्री बालेंदु शर्मा दाधीच द्वारा विश्व हिंदी सचिवालय की वेबसाइट के नए डिज़ाइन की विशेषताओं पर प्रस्तुति हुई, जिसके बाद वेबसाइट के नए डिज़ाइन का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. बीरसेन जागासिंह तथा नवोदित लेखक डॉ. सोमदत्त काशीनाथ द्वारा रचित पुस्तकों का विमोचन किया गया। साथ ही, हिंदी में बाल-गीत गायन प्रतियोगिता के विजेताओं को शील्ड एवं नकद राशि प्रदान की गई।

डॉ. सोमदत्त काशीनाथ एवं श्री प्रकाश वीर ने मंच-संचालन किया तथा उपमहासचिव डॉ. शुभंकर मिश्र ने धन्यवाद-ज्ञापित किया।

दो दिवसीय कार्यशाला : 'हिंदी एवं जन-संचार'

उद्घाटन समारोह के पश्चात् दो दिवसीय कार्यशाला के प्रथम-सत्र का आरंभ डॉ. जवाहर कर्नावट के व्याख्यान से हुआ। उन्होंने जनसंचार की विशेषताओं, उद्देश्य एवं कार्य तथा इसके विभिन्न माध्यमों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

पूर्वी रेडियो ओरिएंटल, मॉरीशस ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन की उत्पादन प्रबंधक, डॉ. शशि दुकन ने अपने संबोधन में कहा कि रेडियो और टेलीविजन की ही देन है कि आज मॉरीशस में हिंदी को इतनी लोकप्रियता मिली है। अंत में एम.बी.सी. के कार्यकर्ताओं द्वारा एक लघु नाटिका की मनोरम प्रस्तुति हुई।

15 सितंबर, 2023 को कार्यशाला के द्वितीय दिवस के प्रथम-सत्र में विश्व हिंदी सचिवालय के उपमहासचिव, डॉ. शुभंकर मिश्र ने स्वागत-भाषण दिया। डॉ. जवाहर कर्नावट ने विश्व के 25 देशों से पिछले 120 वर्षों में प्रकाशित हिंदी पत्र-पत्रिकाओं की सूची साझा करते हुए हिंदी पत्रकारिता के आरम्भिक तथा वर्तमान स्थिति पर बात की। उन्होंने विद्यार्थियों को किसी एक देश की हिंदी पत्रकारिता पर लघु शोध प्रबंध लिखने का सुझाव दिया।

द्वितीय सत्र में मॉरीशस ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन के डेस्क संयोजक, श्री केसन बधू ने एम.बी.सी के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि टेलीविजन पर प्रसारित समाचार सर्वप्रथम फ्रेंच में लिखा जाता है। उसके बाद हिंदी में लिखा जाता है, ताकि फ्रेंच और हिंदी के समाचार समान हों। उन्होंने प्रतिभागियों को पत्रकार की भूमिका निभाते हुए एक मंदिर की 100वीं वर्षगाँठ की लघु रिपोर्टिंग करने का कार्य सौंपा और रिपोर्टिंग को तैयार करने की प्रक्रिया समझायी।

शिक्षा, तृतीयक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के स्थायी सचिव, श्री युधिष्ठिर मनबोध ने अपने उद्बोधन में कहा कि "शिक्षक इस कार्यशाला का लाभ उठाते हुए अपनी कक्षाओं में अधिक जोश और मानसिक शक्ति से छात्रों को पढ़ाएँगे और छात्रों के अधिगम को सुखद एवं सुदृढ़ बना पाएँगे।"

तृतीय-सत्र में डॉ. जवाहर कर्नावट ने 'अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार' विषय पर प्रस्तुति दी तथा अनुवाद के अर्थ, स्वरूप और प्रकार पर प्रकाश डाला। परिचर्चा-सत्र के अंतर्गत छात्रों के लिए अनुवाद संबंधी कार्य-सत्र आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. कर्नावट ने छात्रों का मार्गदर्शन किया।

विश्व हिंदी सचिवालय की महासचिव, डॉ. माधुरी रामधारी ने कार्यशाला के सफल आयोजन में सभी हितैषियों के प्रति धन्यवाद-ज्ञापित किया। समारोह में श्री युधिष्ठिर मनबोध, एम.बी.सी. के समाचार विभाग के अध्यक्ष, श्री अशोक बिहारी एवं महात्मा गांधी संस्थान के हिंदी विभागाध्यक्ष, डॉ. कृष्ण कुमार झा को दुशाला प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा कार्यशाला के विशेषज्ञों, डॉ. जवाहर कर्नावट, श्री केसन बधू एवं डॉ. शशि दुकन को शील्ड प्रदान कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया गया।

सत्रों का संचालन अनुसंधान एवं विकास सहायक डॉ. सोमदत्त काशीनाथ तथा वरिष्ठ सहायक संपादक, श्री प्रकाश वीर ने किया।

विश्व हिंदी सचिवालय की रिपोर्ट

हिंदी दिवस 2023 : भारत

भोपाल, अहमदाबाद

14 सितंबर, 2023 को हिंदी दिवस के अवसर पर दिल्ली पब्लिक स्कूल, भोपाल में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या श्रीमती विनीता मलिक द्वारा हिंदी में उद्घोषणा व प्रार्थना के साथ हुआ, जिसमें तीसरी कक्षा के छात्र आर्यमान ने हिंदी में कविता-पाठ किया। इस अवसर पर तीसरी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए अंतर्वर्गीय सुलेख प्रतियोगिता तथा हिंदी बाल-सभा का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक लघु नाटिका एवं मनमोहक गीत की प्रस्तुति हुई। शिक्षकों के लिए खेलरंग-प्रश्नमंच का आयोजन किया गया। प्राचार्या श्रीमती विनीता मलिक, उपप्राचार्या डॉ. मुक्ता शर्मा, मुख्य अध्यापिका श्रीमती शीबा राजेश तथा अध्यक्ष शिक्षा केंद्र श्रीमती मेघा मुक्तिबोध की गरिमामयी उपस्थिति ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

साभार : दिल्ली पब्लिक स्कूल, भोपाल, अहमदाबाद का फ़ेसबुक पृष्ठ

गुजरात

पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल, जूनागढ़, गुजरात में 14 सितंबर, 2023 को कई सार्थक गतिविधियों के साथ हिंदी दिवस धूमधाम से मनाया गया। विभिन्न कक्षाओं के छात्रों ने कविता-पाठ, हिंदी भाषण, सामूहिक प्रस्तुति, हिंदी के स्लोगन पर बातचीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में भाग लिया, जिसमें राष्ट्रीय भाषा हिंदी की सुंदरता और महत्त्व को दर्शाया गया। इस समारोह में सांस्कृतिक विरासत के एक महत्त्वपूर्ण हिस्से के रूप में हिंदी के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया और छात्रों को अपने दैनिक जीवन में इस भाषा को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

साभार : पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल, जूनागढ़ का फ़ेसबुक पृष्ठ

रोपड़

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ ने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में 15 दिवसीय हिंदी पखवाड़ा 2023 का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न किया। यह पखवाड़ा 13 सितंबर, 2023 से 27 सितंबर, 2023 तक आयोजित किया गया। पखवाड़े के दौरान संस्थान के विद्यार्थियों के लिए 4 प्रतियोगिताएँ, संस्थान के संकाय सदस्य एवं कर्मचारियों के लिए 7 प्रतियोगिताएँ, सुरक्षा/सफ़ाई/परिचारकों के लिए 1 प्रतियोगिता तथा संस्थान सदस्यों के बच्चों एवं परिवारजनों के लिए 1 प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। हिंदी पखवाड़ा 2023 का उद्घाटन समारोह 13 सितंबर, 2023 को मुख्य अतिथि प्रोफ़ेसर बैजनाथ प्रसाद, हिंदी विभागाध्यक्ष, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ तथा संस्थान के निदेशक प्रोफ़ेसर राजीव आहूजा की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

साभार : आईआईटी रोपड़ की आधिकारिक वेबसाइट

अहमदाबाद

14 सितंबर, 2023 को भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद में हिंदी पखवाड़ा 2023 बहुत ही हर्षोल्लास से मनाया गया। इस हिंदी पखवाड़े में हिंदी दिवस समारोह एवं स्वरचित हिंदी कविता, ऑनलाइन हिंदी सामान्य-ज्ञान, हिंदी शब्द-ज्ञान, हिंदी स्लोगन, हिंदी निबंध, हिंदी आशुभाषण, हिंदी अंताक्षरी, हिंदी सुलेख (केवल ग्रुप-डी कर्मचारियों के लिए), हिंदी गीत गायन तथा हिंदी कविता-पठन प्रतियोगिताओं के साथ-साथ हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया।

साभार : भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद की आधिकारिक वेबसाइट

इंदौर

14 सितंबर, 2023 को भारतीय प्रबंध संस्थान, इंदौर (आईआईएम इंदौर) ने हिंदी दिवस मनाया। आईआईएम इंदौर के निदेशक, प्रो. हिमांशु राय ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। भारतीय जनसंचार संस्थान में पत्रकारिता के प्रोफ़ेसर और भारतीय भाषा (हिंदी) पत्रकारिता कार्यक्रम के पाठ्यक्रम निदेशक, प्रो. आनंद प्रधान ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समारोह का मुख्य आकर्षण संस्थान की वार्षिक हिंदी पत्रिका 'ज्ञान शिखर' का विमोचन था। इस पत्रिका में आईआईएम इंदौर समुदाय के सदस्यों द्वारा व्यावहारिक लेख शामिल हैं। आईआईएम इंदौर में हिंदी पखवाड़े ने प्रतिस्पर्धा की भावना को अपनाया। इस कार्यक्रम में दो रोमांचक प्रतियोगिताएँ - 'चित्र कहानी-लेखन' और 'अंताक्षरी' शामिल थीं, जिसमें सभी सदस्यों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

साभार : भारतीय प्रबंध संस्थान, इंदौर की आधिकारिक वेबसाइट

पुणे

14 सितंबर, 2023 को श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, बालेवाड़ी, पुणे, महाराष्ट्र में हिंदी दिवस एवं 14-15 सितंबर, 2023 को तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। माननीय निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान बोधगया के निदेशानुसार श्री जीतेन्द्र कुमार, सहायक प्रशासनिक अधिकारी (प्रशा. एवं हिंदी भाषा) ने कार्यक्रम में सहभागिता की। भारतीय प्रबंध संस्थान बोधगया में हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने तथा सरकारी कामकाज में अधिकारियों/कर्मचारियों की हिंदी के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 14 से 29 सितंबर, 2023 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया।

साभार : भारतीय प्रबंध संस्थान, बोधगया की आधिकारिक वेबसाइट

प्रयागराज

14 सितंबर, 2023 को 137 वर्ष पुराने कर्नलगंज इंटर कॉलिज प्रयागराज ने हिंदी दिवस के अवसर पर हाई स्कूल की मान्यता मिलने की 75वीं वर्षगाँठ मनाई। कॉलिज ने अपने इस उत्सव को

आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी की स्मृतियों पर केंद्रित करते हुए, अपने स्कूल और हिंदी का उत्सव साथ-साथ मनाया। इसके सूत्रधार बने इलाहाबाद विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफ़ेसर महेश चंद्र चट्टोपाध्याय। कार्यक्रम में इंडियन प्रेस के संस्थापक और 'सरस्वती' मासिक पत्रिका के प्रकाशक बाबू चिंतामणि घोष के वंशज श्री सुप्रतीक घोष और श्री अरिंदम घोष तथा 'सरस्वती' के संपादक रहे पंडित देवीदत्त शुक्ल के वंशज श्री व्रतशील शर्मा और ठाकुर श्रीनाथ सिंह के वंशज श्री योगेंद्र सिंह की उपस्थिति रही। प्रो. महेश चंद्र चट्टोपाध्याय ने आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के जीवनवृत्त पर 9 सितंबर, 2023 को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें प्रयागराज शहर के 22 स्कूलों के 107 छात्र-छात्राओं ने जूनियर और सीनियर वर्ग में प्रतिभागिता की।

साभार : कर्नलगंज इंटर कॉलिज प्रयागराज का फ़ेसबुक पृष्ठ

पटना

14 सितंबर, 2023 को बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन, पटना में हिंदी दिवस बड़े धूम-धाम से मनाया गया। समारोह का उद्घाटन बिहार

विधान परिषद् के सभापति श्री देवेशचंद्र ठाकुर ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार एम. के. मधु की पुस्तक 'रानी रूपमती की चाय दुकान' का लोकार्पण किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि और उपभोक्ता संरक्षण आयोग, बिहार के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री संजय कुमार ने कहा कि हिंदी दिवस के अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि जब तक हिंदी देश की राष्ट्रभाषा नहीं बनायी जाती, हमें संघर्ष जारी रखना होगा। इस अवसर पर हिंदी भाषा के उन्नयन में मूल्यवान योगदान देने वाले 14 हिंदी-सेवियों को 'साहित्य सम्मेलन हिंदी-सेवी सम्मान' से अलंकृत किया गया।

साभार : बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन, पटना की वेबसाइट

देहरादून

14 सितंबर, 2023 को उत्तराखण्ड भाषा संस्थान, देहरादून द्वारा हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिंदी, उर्दू, पंजाबी एवं अरबी, फ़ारसी विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को मानानीय भाषा मंत्री की उपस्थिति में सम्मानित/पुरस्कृत किया गया। समारोह में उपस्थित उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद्, रामनगर से हाईस्कूल के 152 एवं इण्टरमीडिएट के 29 छात्र-छात्राओं तथा उत्तराखण्ड मदरसा शिक्षा परिषद्, देहरादून से हाईस्कूल (मुंशी) में अरबी-3, हाईस्कूल (मौलवी) में अरबी-3 एवं इण्टरमीडिएट (आलिम) के अरबी-3 के कुल 188 मेधावी छात्र-छात्राओं को रु. 2100 प्रति छात्र-छात्रा को पुरस्कार राशि, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। हिंदी दिवस के अवसर पर संस्थान द्वारा कविता व निबंध लेखन (कक्षा 6 से 8 तक) एवं कविता व कहानी-लेखन (कक्षा 9 से 12 तक) प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान – रु. 5000, द्वितीय स्थान – रु. 4000, तृतीय स्थान – रु. 3000 एवं सांत्वना पुरस्कार – रु. 2000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। उक्त प्रतियोगिता में उपस्थित सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 32 छात्र-छात्राओं को माननीय भाषा मंत्री द्वारा पुरस्कार राशि, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए गए।

साभार : उत्तराखण्ड भाषा संस्थान, देहरादून की औपचारिक वेबसाइट

हिंदी दिवस 2023 : विश्व भर

बीजिंग

15 सितंबर, 2023 को भारतीय दूतावास, बीजिंग ने दूतावास में विश्व हिंदी दिवस 2024 का कार्यक्रम आयोजित किया। इस समारोह में पाँच अलग-अलग विश्वविद्यालयों के हिंदी विभागों से आए हिंदी शिक्षार्थियों ने हिंदी गीत, कविता-पाठ और वार्तालाप कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में वक्तव्य देते हुए राजदूत श्री प्रदीप रावत ने बताया कि कैसे एक भाषा को सीखना संस्कृति के बारे में किसी के दृष्टिकोण को बदल सकता है और साथ ही, जीवन में उसके अनुभवों को व्यापक बना सकता है। मुख्य अतिथि, सिंघुआ विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर जियांग जिंगखुई ने हिंदी के महत्त्व और एक अनुशासन के रूप में हिंदी का अभ्यास करने वालों के सामने आने वाली ज़िम्मेदारियों के बारे में बात की। साथ ही, हिंदी के प्रति अनुराग प्रकट करते हुए भारतीय संस्कृति एवं साहित्य का भी उल्लेख किया। इस कार्यक्रम में विश्व हिंदी दिवस के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के लिए आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं का भी सम्मान किया गया।

साभार : भारतीय दूतावास, बीजिंग का फ़ेसबुक पृष्ठ

हंगरी

14 सितंबर, 2023 को भारतीय दूतावास, हंगरी में एएससीसी सभागार में हिंदी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान शास्त्रीय हिंदी के बारे में हंगेरियन भाषा में पहली पुस्तक 'नेप एस होल्ड नेलकुल रागयोग ए फेनी' का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में हिंदी कविता- पाठ और भजन का आयोजन किया गया। अपने संबोधन में एएससीसी के निदेशक श्री मुकेश श्रीवास्तव ने हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए सभी का स्वागत किया। उन्होंने हिंदी के महत्त्व को रेखांकित करने के लिए भारतेंदु हरिश्चंद्र की प्रसिद्ध उक्ति - "निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।।" का उल्लेख किया। पुस्तक और कविता-पाठ के बारे में चर्चा के बाद, सुश्री पन्नी सोमी, इंडोलॉजिस्ट, भरतनाट्यम नृत्यांगना, शिक्षिका और शिवशक्ति कलानंद डांस थिएटर बुडापेस्ट की संस्थापक ने एक अद्भुत नृत्य प्रस्तुति की। मिशन प्रमुख, श्री राजीव कुमार ने धन्यवाद-ज्ञापन किया।

साभार : भारतीय दूतावास, हंगरी का फ़ेसबुक पृष्ठ

ऑस्ट्रेलिया

14 सितंबर, 2023 को आई.ए.बी.बी.वी. हिंदी स्कूल, ऑस्ट्रेलिया में भव्य रूप से हिंदी दिवस मनाया गया। संस्था के अधिकारियों और शिक्षकों का मानना है कि हिंदी दिवस न केवल हिंदी, बल्कि भारतीय संस्कृति

का भी उत्सव है। हम अपने बच्चों को दिखा सकते हैं कि भारत की राष्ट्रीय भाषा हम सब को कैसे संगठित रखती है। यह एक सांस्कृतिक सेतु का हिस्सा होगा, जो ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच आपसी सहमति को प्रोत्साहन देगा। इस अवसर पर आई.ए.बी.बी.वी. हिंदी स्कूल, ऑस्ट्रेलिया के छात्रों ने वीडियो के माध्यम से हिंदी में अपने संदेश दिए।

साभार : आई.ए.बी.बी.वी. हिंदी स्कूल, ऑस्ट्रेलिया का फ़ेसबुक पृष्ठ

किंशासा, कोंगो

17 सितंबर, 2023 को भारत के दूतावस, किंशासा के परिसर में बड़ी धूमधाम से हिंदी दिवस मनाया गया। दूतावास की ओर से इस अवसर पर हिंदी निबंध-लेखन, कविता-लेखन तथा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में भारतीय समुदाय के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं के लिए वयस्कों और बच्चों के लिए अलग-अलग श्रेणियाँ बनाई गई थीं।

साभार : भारत का दूतावस, किंशासा का फ़ेसबुक पृष्ठ

नेपाल

14 सितंबर, 2023 को भारतीय राजदूतावास, काठमांडू और हिंदुस्तानी प्रचार सभा, मुंबई द्वारा संयुक्त रूप से हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। डॉ. गोपाल ठाकुर, अध्यक्ष, भाषा आयोग कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। श्री भूपाल राई, कुलपति, नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान, प्रो. उषा ठाकुर, वरिष्ठ साहित्यकार, सुश्री रीता कुमार, मुख्य कार्य अधिकारी, हिन्दुस्तानी प्रचार सभा और श्री राकेश त्रिपाठी विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम के अंतर्गत काठमांडू के विभिन्न स्कूलों के छात्रों के लिए हिंदी कविता-पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि डॉ. गोपाल ठाकुर ने अपने संबोधन में नेपाल और भारत में हिंदी के महत्त्व और इसकी प्रासंगिकता को रेखांकित किया। नेपाल के अनेक शिक्षकों, छात्रों, लेखकों, भाषा-प्रेमियों एवं साहित्यकारों ने कार्यक्रम में प्रतिभागिता की।

साभार : भारतीय राजदूतावास, काठमांडू का फ़ेसबुक पृष्ठ

न्यूयॉर्क

18 सितंबर, 2023 को भारत के प्रधान कौंसलावास, न्यूयॉर्क ने हिंदी दिवस का धूमधाम से आयोजन किया। इस अवसर पर कवि-सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में प्रसिद्ध कवि डॉ. प्रवीण शुक्ल, श्रीमती लता हया, डॉ. कविता किरण एवं श्री शंभु शिखर उपस्थित रहे। सभी कवियों ने अपनी रचनाओं से भारतीय समुदाय के सदस्यों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

साभार : भारत का प्रधान कौंसलावास, न्यूयॉर्क का फ़ेसबुक पृष्ठ

न्यूज़ीलैंड

10 सितंबर, 2023 को भारतीय उच्चायोग, वैलिंग्टन, वैलिंग्टन हिंदी स्कूल और साउथलैंड हिंदी स्कूल के सहयोग से हिंदी दिवस मनाया गया। साउथलैंड हिंदी स्कूल में हिंदी दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया, जिसमें बच्चों, छात्रों, युवाओं और प्रवासी भारतीयों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर छात्रों ने हिंदी गीतों, कविताओं और प्रश्नोत्तरी में हिस्सा लिया, जिसकी सभी ने सराहना की और आनंद लिया। कई छात्रों को पुरस्कार ट्रोफ़ियाँ भी प्रदान की गईं।

साभार : भारतीय उच्चायोग, वैलिंग्टन का फ़ेसबुक पृष्ठ

सेशेल्स

14 सितंबर, 2023 को सेशेल्स में भारतीय उच्चायोग, विक्टोरिया द्वारा चांसरी परिसर में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेशेल्स के हिंदी प्रेमियों, विशेषकर बच्चों का बढ़-चढ़कर भाग लेना अत्यंत सराहनीय रहा। कार्यक्रम के दौरान कविता-पाठ (कनिष्ठ और वरिष्ठ वर्ग) और हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें लगभग 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर भारतीय उच्चायुक्त महोदय ने अपने संबोधन में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की बात कही और लोगों से अपने बच्चों को हिंदी भाषा के प्रति प्रोत्साहित करने का अनुरोध किया।

साभार : भारतीय उच्चायोग, विक्टोरिया का फ़ेसबुक पृष्ठ

स्पेन

14 सितंबर, 2023 को भारतीय दूतावास, स्पेन द्वारा मैड्रिड के एस्पासिओ रोंडा में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। दूतावास ने स्पेन में भारतीय प्रवासियों और भारत के मित्रों के सदस्यों को निबंध-लेखन, कविता-लेखन, चित्रकला और हस्तलेखन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। इसके बाद भरतनाट्यम प्रदर्शन सहित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन के बाद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

साभार : भारतीय दूतावास, स्पेन का फ़ेसबुक पृष्ठ

श्रीलंका

14 सितंबर, 2023 को श्रीलंका में भारत के प्रधान कौंसलावास, हंबनटोटा के वाणिज्य दूतावास परिसर में हिंदी दिवस 2023 मनाया गया। इसमें वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कविता-पाठ, भाषण तथा हिंदी पर विचार प्रस्तुत किए गए।

साभार : भारत का प्रधान कौंसलावास, हंबनटोटा का फ़ेसबुक पृष्ठ

सूरीनाम

14 सितंबर, 2023 को भारतीय दूतावास, पारामारिबो में हिंदी दिवस मनाया गया। भारत के राजदूत डॉ. बालाचंद्रन शंकर ने 14 से 28 सितंबर तक मनाए जाने वाले हिंदी पखवाड़ा 2023 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक के साथ सार्थक बैठक हुई और रात्रि में सूरीनाम हिंदी परिषद् द्वारा आयोजित भाषण प्रतियोगिता के लिए न्यायमंडल के सदस्य के रूप में अपना योगदान दिया। राजदूत महोदय द्वारा अधिकारियों/कर्मचारियों को आधिकारिक कामकाज में सक्रिय रूप से हिंदी का उपयोग करने और आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही, राजदूत महोदय और अधिकारियों व स्थानीय कर्मचारियों द्वारा सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग करने हेतु राजभाषा प्रतिज्ञा भी ली गई। इस अवसर पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यालय के दैनंदिन कामकाज में आने वाले प्रशासनिक वाक्यांश व शब्दों के बारे में बताया गया।

साभार : भारतीय दूतावास, पारामारिबो का फ़ेसबुक पृष्ठ

त्रिनिदाद एवं टोबेगो

14 से 29 अक्टूबर, 2023 तक भारतीय उच्चायोग, पोर्ट ऑफ़ स्पेन द्वारा महात्मा गांधी सांस्कृतिक सहयोग संस्थान के सहयोग से हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस अवधि में मिशन द्वारा विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। हिंदी पखवाड़े का समापन/पुरस्कार-वितरण-समारोह 29 अक्टूबर, 2023 को एमजीआईसीसी के सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय उच्चायुक्त, महामहिम डॉ. प्रदीप सिंह राजपुरोहित ने द्विभाषी प्रेरक उद्बोधन दिया। तत्पश्चात् भारत गणराज्य के माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा हिंदी दिवस 2023 के अवसर पर दिए गए संदेश का वाचन किया गया। हिंदी फ़ाउंडेशन ऑफ़ त्रिनिदाद एंड टोबेगो (हिंदी निधि) के अध्यक्ष, श्री चंका सीताराम और सनातन धर्म महासभा के धर्माचार्य पंडित डॉ. रामपरसाद परसराम ने त्रिनिदाद और टोबेगो में हिंदी की उपादेयता और आवश्यकता पर व्याख्यान दिए। इसके बाद हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित की गई विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को महामहिम उच्चायुक्त के कर कमलों से नकद पुरस्कार और प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। मिशन द्वारा चलाई जा रही हिंदी और संस्कृत कक्षाओं के सत्र 2022-23 के कुल 15 मेधावी छात्रों को प्लेक, प्रमाण-पत्र एवं नकद पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इसके बाद, महात्मा गांधी सांस्कृतिक सहयोग संस्थान (एमजीआईसीसी) के शिक्षकों द्वारा गायन और नृत्य प्रस्तुतियाँ हुईं।

साभार : भारतीय उच्चायोग, पोर्ट ऑफ़ स्पेन का फ़ेसबुक पृष्ठ

यूक्रेन

14 सितंबर, 2023 को भारतीय राजदूतावास, कीव द्वारा दूतावास परिसर में हिंदी दिवस भव्य रूप से मनाया गया। समारोह में भारतीय समुदाय के लोगों और यूक्रेनी हिंदी प्रेमियों ने उत्साह के साथ भाग लिया और हिंदी कविता-पाठ एवं हिंदी निबंध-लेखन प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

साभार : भारतीय राजदूतावास, कीव का फ़ेसबुक पृष्ठ

ज़ाग्रेब, क्रोएशिया

29 सितंबर, 2023 को भारत के दूतावास, ज़ाग्रेब ने स्वेउसिलिस्टे यू ज़ाग्रेबू के इंडोलॉजी विभाग के साथ हिंदी दिवस 2023 और संस्कृत दिवस समारोह का आयोजन किया। राजदूत श्री राजकुमार श्रीवास्तव ने क्रोएशियाई शिक्षा प्रणाली में हिंदी और संस्कृत की समृद्ध और पुरानी परंपरा को स्वीकार किया। आईएनएचआर मित्रता के प्रतीक के रूप में, उन्होंने भारत में क्रोएशिया के पूर्व राजदूत श्री ड्रैगो स्टैम्बुक की कविता 'स्लोन सिरोसे' का हिंदी अनुवाद प्रस्तुत किया। उन्होंने संस्कृत और क्रोएशिया के गहरे अर्थ वाले शब्दों की तुलना भी की, जो भारत के साथ इस भूमि के प्राचीन संबंधों के प्रमाण हैं। कार्यक्रम में इंडोलॉजी विभाग के प्रमुख प्रोफ़ेसर इवान एंड्रीजेनिक, हिंदी चेयर प्रोफ़ेसर मीनू कृष्णा और संस्कृत चेयर प्रोफ़ेसर सी. बी. झा तथा 'दैनिक जीवन में योग' विषय पर स्वामी विवेक पुरी के भाषण शामिल थे। शाम को छात्रों ने साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

साभार : भारत का दूतावास, ज़ाग्रेब का फ़ेसबुक पृष्ठ

तेल अवीव, इज़राइल

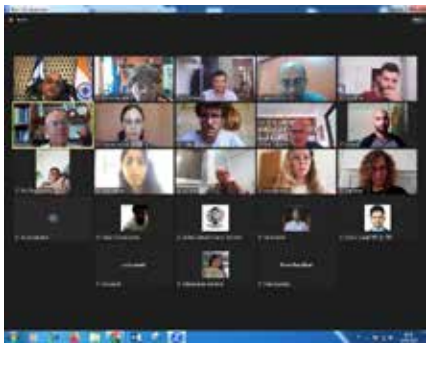

14 सितंबर, 2023 को तेल अवीव विश्वविद्यालय, इज़राइल द्वारा ऑनलाइन हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में भारतीय सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक श्री विनोद पवार द्वारा बधाई भाषण दिया गया। तेल अवीव विश्वविद्यालय के पूर्वी एशिया अध्ययन विभाग के प्राध्यापक, डॉ. ऊदी हाल्पेरिन तथा हिंदी शिक्षक डॉ. गेनादी श्लोम्पेर और हिब्रू विश्वविद्यालय, यरुशलम के एशिया अध्ययन विभाग की हिंदी शिक्षिका श्रीमती मरीना रीम्शा ने वक्तव्य दिया। डॉ. गेनादी श्लोम्पेर का अपने छात्रों के साथ हिंदी में संवाद सत्र भी चला। तेल अवीव विश्वविद्यालय के भारतीय छात्र राजन विश्वकर्म ने कविता प्रस्तुत की। मॉस्को के मानविकी विश्वविद्यालय की हिंदी शिक्षिका, डॉ. इंदिरा गाज़िएवा तथा मेरठ के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के आधुनिक भारतीय भाषाओं के विभागाध्यक्ष, प्रो. नवीन चंद्र लोहनी अतिथि वक्ता थे। श्री विनोद पवार द्वारा समापन वक्तव्य दिया गया।

साभार : हिंदी रूसी राज्य मानविकी विश्वविद्यालय का फ़ेसबुक पृष्ठ

कनाडा

16 सितंबर, 2023 को ब्रैम्पटन की चिंकूज़ी लाइब्रेरी में हिंदी राइटर्स गिल्ड ने टोरोंटो स्थित भारतीय काउंसलावास के सहयोग से हिंदी दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम को दो सत्रों में रखा गया। पहले सत्र में परिचर्चा जिसका विषय था 'कोरोनाकाल की चुनौतियों को संभावनाओं में बदलती हिंदी' तथा दूसरे सत्र में कनाडा में हिंदी के प्रचार-प्रसार से जुड़े कर्मठ सहयोगियों को काउंसलावास द्वारा सम्मान की प्राप्ति। गिल्ड की प्रबंधन समिति के सदस्य श्री योगेश ममगाईं ने स्वागत संबोधन दिया। टोरोंटो की प्रसिद्ध गायिका और साहित्यकार मानोशी चटर्जी द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति हुई। इस अवसर पर श्रीमती आशा बर्मन, गिल्ड की सह संस्थापिका निर्देशिका श्रीमती शैलजा सक्सेना, गिल्ड के सह संस्थापक निर्देशक श्री सुमन कुमार घई, गिल्ड की परिचालन निदेशिका श्रीमती कृष्णा वर्मा तथा श्रीमती वंदिता सिन्हा ने वक्तव्य दिया। श्री योगेश ममगाईं ने इस सत्र का संचालन किया। दूसरे सत्र में काउंसलावास के हैड ऑफ़ चाँसरी श्री संजीव सकलानी ने सभागार को संबोधित किया। तत्पश्चात् हिंदी के प्रचार-प्रसार से जुड़े 12 सहयोगियों को श्री सकलानी जी ने शॉल एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। इस सत्र का संचालन गिल्ड के निदेशक श्री संदीप कुमार ने किया। सम्मान प्राप्त करने वालों ने हिंदी के प्रचार-प्रसार के कई सुझाव भी दिए और कई निर्णय भी लिए गए।

कृष्णा वर्मा की रिपोर्ट

हिल्सबोरो, न्यू जर्सी

23 सितंबर, 2023 को न्यू जर्सी के हिल्सबोरो नगर पुस्तकालय में युवा हिंदी संस्थान द्वारा हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय समुदाय के दर्जनों सदस्य उपस्थित थे। आयोजन में हिल्सबोरो की हिंदी संस्था हिंदी भाषा अकादमी तथा विश्व हिंदी सचिवालय मॉरीशस का भी सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ। युवा हिंदी संस्थान के सभापति श्री उपेन्द्र चिवुकुला मुख्य अतिथि थे। उन्होंने उपस्थित माता-पिता तथा हिंदी शिक्षार्थियों को हिंदी सीखने के लिए बधाई दी और कहा कि किसी भी समाज की प्रगति इस बात पर निर्भर है कि वह अपनी भाषा और संस्कृति को कितना महत्त्व देती है। नन्हे-मुन्ने हिंदी विद्यार्थी आरव, आन्या और आल्या ने 'नैनीताल में जलवायु परिवर्तन' विषय पर चर्चा की। युवा हिंदी संस्थान के अध्यक्ष श्री अशोक ओझा ने बालकों के पोस्टर-प्रदर्शन को उच्चकोटि का बताया और कहा कि 21वीं सदी के विद्यार्थियों को हिंदी भाषा की शिक्षा देते हुए, उन्हें समाज की समस्याओं से भी अवगत कराना चाहिए। समारोह में प्रस्तुति देने वाले बच्चों को प्रोत्साहन के तौर पर गिफ़्ट कार्ड देने की घोषणा की गई। विद्यार्थी समन्वी, दक्षा और नाव्या ने कुचीपूड़ी, भरतनाट्यम और कत्थक नृत्यों का प्रदर्शन किया। युवा हिंदी संस्थान की सचिव अखिला शेख ने समारोह में हिंदी दिवस के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर हिंदी शिक्षा अकादमी की प्रमुख श्रीमती ममता त्रिपाठी ने अपने संस्थान के कार्यों पर प्रकाश डाला।

श्री अशोक ओझा की रिपोर्ट

म्यांमार, बर्मा

14 सितंबर, 2023 को स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारत के राजदूतावास, यांगोन द्वारा हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ म्यांमार में भारत के राजदूत महामहिम श्री विनय कुमार द्वारा दीप-प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के औपचारिक उद्घाटन के पश्चात् कश्मीर में शहीद भारत माता के तीनों वीर अधिकारियों के लिए एक मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस वर्ष हिंदी दिवस के अवसर पर तीन प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिनके विजेताओं को राजदूत महोदय के करकमलों द्वारा प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार राशि प्रदान किया गया। हिंदी दिवस के अवसर पर काव्य संध्या और सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर बहुत बड़ी संख्या में हिंदी प्रेमी, हिंदी सेवी, शिक्षक, विद्यार्थी और साहित्य अनुरागी उपस्थित थे।

साभार : श्री आशीष कंधवे का फ़ेसबुक पृष्ठ

उत्सव, कार्यशाला, संगोष्ठी, कार्यक्रम, आभासी कार्यक्रम, साक्षात्कार, प्रतियोगिता

बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन में आनंदोत्सव

30 जुलाई, 2023 को बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन, पटना में 'आनंदोत्सव' का आयोजन किया गया। विगत 6-7 मई को आयोजित हुए सम्मेलन के 42वें महाधिवेशन की अपार सफलता और राष्ट्रीय स्तर पर हो रही व्यापक चर्चा के उपलक्ष्य में 'आनंदोत्सव-सह-सम्मान-समारोह' का आयोजन किया गया था। समारोह के उद्घाटनकर्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. सी. पी. ठाकुर, दूरदर्शन बिहार के कार्यक्रम-प्रमुख डॉ. राज कुमार नाहर, दीपक ठाकुर तथा सम्मेलन अध्यक्ष ने गत अधिवेशन में मूल्यवान योगदान देने वाले सम्मेलन की कार्यसमिति और महाधिवेशन की स्वागत समिति के अधिकारियों और सदस्यों को 'सम्मेलन कौस्तुभ मणि', 'सम्मेलन-शिरोमणि', 'सम्मेलन चूड़ामणि', 'सम्मेलन पद्म-पराग' तथा 'सम्मेलन-रत्न' की उपाधियों से विभूषित किया। सम्मेलन-कर्मी भी 'सम्मेलन-सेवी सम्मान' से अलंकृत किए गए। इन्हें हैदराबाद से विशेष रूप से मंगाए गए वंदन-वस्त्र और अलंकृत प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने बताया कि आनंदोत्सव में सम्मान-समारोह के अतिरिक्त एक भव्य कवि-सम्मेलन, 'कजरी-उत्सव' और गीत-नृत्य-संगीत के साथ सहभोज का आयोजन किया गया। समारोह में गत महाधिवेशन की स्वागत समिति के अध्यक्ष डॉ. रवींद्र किशोर सिन्हा समेत सम्मेलन की कार्यसमिति और स्वागत समिति के सभी अधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित थे।

साभार : हिंदी साहित्य सम्मेलन, बिहार की आधिकारिक वेबसाइट

मॉरीशस में हिंदी गीत महोत्सव 2023

27 जुलाई, 2023 को संगीत दिवस एवं भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में हिंदी स्पीकिंग यूनियन, मॉरीशस ने कला एवं सांस्कृतिक धरोहर मंत्रालय के तत्त्वावधान में तथा भारतीय उच्चायोग, आर्य सभा मॉरीशस और आइलैंड व्यू गार्डन के सहयोग से एक प्रेरणादायक हिंदी गीत महोत्सव व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। यह महोत्सव सभी स्थानीय गायकों के लिए खुला था। प्रेलिमिनेरी में दस गायकों का चयन किया गया, जिन्होंने 27 जुलाई, 2023 को पेची राफ़े के आइलैंड व्यू गार्डन में प्रस्तुति दी। इस समारोह में विभिन्न देशों के कई प्रतिनिधियों के साथ मॉरीशस में अंतर्राष्ट्रीय गिरमिटिया सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिनिधि मंडल भी शामिल हुए।

हिंदी स्पीकिंग यूनियन की रिपोर्ट

यू.के. में हिंदी काव्य महाकुंभ

4 सितंबर, 2023 को उत्तर प्रदेश कम्युनिटी एसोसिएशन (यूपीसीए) यू.के. द्वारा नेहरू सेंटर लंदन (भारतीय उच्चायोग की सांस्कृतिक शाखा) में हिंदी काव्य महाकुंभ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को 'अंतर्राष्ट्रीय कवि संगम' संस्था का भी सहयोग मिला। इस अवसर पर भारतीय उच्चायोग के समन्वय मंत्री, श्री दीपक चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। भारतीय उच्चायोग, लंदन की हिंदी अधिकारी व अताशे डॉ. नन्दिता साहू की कार्यक्रम में उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कथा यू.के. के संस्थापक व 'पुरवाई' के संपादक, वरिष्ठ साहित्यकार श्री तेजेंद्र शर्मा ने की।

काव्य महाकुंभ का शुभारम्भ प्रसिद्ध लेखक, संस्कृति व शिक्षा मंत्री एवं निदेशक, नेहरू सेंटर, श्री अमीष त्रिपाठी के उत्साहवर्धक उद्बोधन से हुआ। अपने वक्तव्य में श्री दीपक चौधरी ने कहा कि भारतीय कला और साहित्य के विकास के लिए इस तरह के कार्यक्रम होने चाहिए और आवश्यक है कि सभी राज्यों के कलाकार एक साथ मंच पर आएँ। इस अवसर पर कवियों ने विभिन्न विषयों पर अपनी रचनाएँ सुनाईं। यूपीसीए यू.के. के संस्थापक व अध्यक्ष श्री मधुरेश मिश्रा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

साभार : श्री तेजेंद्र शर्मा का फ़ेसबुक पृष्ठ – श्री वीरेंद्र मिश्र की रिपोर्ट

रोपड़ में 'आधुनिक हिंदी कंप्यूटिंग टूल्स : राजभाषा कार्यान्वयन में अनुप्रयोग' विषय पर ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला

29 अगस्त, 2023 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़, पश्चिम बंगाल में 'आधुनिक हिंदी कंप्यूटिंग टूल्स : राजभाषा कार्यान्वयन में अनुप्रयोग' विषय पर ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य संस्थान सदस्यों को हिंदी भाषा, वर्णमाला तथा व्याकरण संबंधी महत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर मार्गदर्शन करने के साथ-साथ विशेष रूप से आधुनिक हिंदी कंप्यूटिंग टूल्स और इनका राजभाषा कार्यान्वयन में प्रयोग रहा है। इस विषय पर संस्थान सदस्यों का मार्गदर्शन करने हेतु भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. राजीव कुमार रावत को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। इस कार्यशाला में संस्थान के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता की। कार्यक्रम के वक्ता डॉ. रावत ने कार्यशाला के केंद्र में जो विषय था, उसपर अपनी बात विस्तार से करते हुए विभिन्न आधुनिक हिंदी टूल्स के संबंध में सभी को जानकारी दी। कार्यशाला का संचालन डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे, हिंदी अनुवादक ने किया तथा संस्थान के हिंदी अधिकारी एवं सहायक कुलसचिव श्री विपिन कुमार ने औपचारिक धन्यवाद-ज्ञापन किया।

साभार : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ की आधिकारिक वेबसाइट

वर्धा में 'पश्चिमी भारत की भाषाओं में रामकथा' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

20 जुलाई, 2023 को महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा एवं अयोध्या शोध संस्थान, अयोध्या के संयुक्त तत्त्वावधान में हिंदी साहित्य विभाग द्वारा 'पश्चिमी भारत की भाषाओं में रामकथा' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने कहा कि राम कथा के माध्यम से भारतीय समाज को समझा जा सकता है।

दो सत्रों में आयोजित संगोष्ठी का उद्घाटन तुलसी भवन स्थित गालिब सभागार में किया गया। इस अवसर पर बीज वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के आवासीय लेखक, प्रो. रामजी तिवारी, मुख्य अतिथि के रूप में अयोध्या शोध संस्थान के निदेशक, डॉ. लवकुश द्विवेदी, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद के हिंदी विभाग की प्रो. भारती गोरे, हिंदी साहित्य विभाग की अध्यक्ष, प्रो. प्रीति सागर तथा साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता, प्रो. अवधेश कुमार मंचासीन थे। कार्यक्रम का प्रारंभिक उद्बोधन साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार ने किया। स्वागत वक्तव्य हिंदी साहित्य विभाग की अध्यक्ष प्रो. प्रीति सागर ने प्रस्तुत किया। तुलनात्मक साहित्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. रामानुज अस्थाना ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा हिंदी साहित्य विभाग के एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ. उमेश कुमार सिंह ने आभार ज्ञापित किया।

महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की रिपोर्ट

अलीगढ़ में 'हिंदी प्रसार में सिनेमा और समाचार-पत्रों का योगदान' विषयक संगोष्ठी

14 सितंबर, 2023 को अलीगढ़ में हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर गांधीपार्क चौराहे स्थित धीरज पैलेस के सिटी क्लब में आयोजित 'हिंदी प्रसार में सिनेमा और समाचार-पत्रों का योगदान' विषयक संगोष्ठी में वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में पूर्व एमएलसी विवेक बंसल ने कहा कि हिंदी ने हम सब में एक नई चेतना जाग्रत की है, चाहे साहित्यकार हों, समाचार-पत्र अथवा सिनेमा जगत, सभी ने हिंदी को समृद्ध बनाया है। आज हिंदी समाचार-पत्र आमजन की दिनचर्या का एक अभिन्न अंग बन गए हैं। मशहूर शायर जॉनी फ़ॉस्टर ने कहा कि जिस भाषा में हम सब सपना देखते हैं, वह हिंदी है। हिंदी का आकर्षण इसका लचीलापन है। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ समाजसेवी सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि हिंदी में ही पहला अखबार 'उदण्ड मार्तंड' निकला था। हिंदी समाचार-पत्र और हिंदी सिनेमा को समानान्तर 106 वर्ष हो गए हैं। हमारे 52 शक्तिपीठ हैं और हिंदी के 52 अक्षर हैं। हर शक्तिपीठ से एक अक्षर जुड़ा हुआ है। केंद्रीय हिंदी प्रोत्साहन समिति के सदस्य और संगोष्ठी संयोजक पंकज धीरज ने कहा कि आज विदेशी फ़िल्मों और साउथ या अन्य क्षेत्रों की फ़िल्मों को भी हिंदी में कॉपी कर प्रदर्शित किया जाता है। शिक्षाविद् डॉ. पुष्पेंद्र पचौरी ने कहा कि सार्वभौमिक है कि हिंदी को जन-जन तक पहुँचाने में समाचार-पत्रों और सिनेमा का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

साभार : प्रभात खबर न्यूज

पटना में आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा की 105वीं जयंती पर पुस्तक-लोकार्पण-समारोह एवं लघुकथा-गोष्ठी

7 जुलाई, 2023 को बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन, पटना में आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा की 105वीं जयंती पर पुस्तक-लोकार्पण-समारोह एवं लघुकथा-गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने की। डॉ. सुलभ ने कहा कि आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा कुछ थोड़े-से महापुरुष में से एक थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन, शिक्षा, साहित्य, संस्कृति, कला, संगीत के लिए तथा सर्वाधिक मूल्यवान तत्त्वों के संरक्षण और विकास में अर्पित कर दिया। संस्कृत और हिंदी के उद्भट विद्वान आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा अलंकार-शास्त्र के भी महापण्डित थे। इस अवसर पर सम्मेलन द्वारा प्रकाशित नवोदित लेखिका अनुभा गुप्ता की उपन्यासिका 'बीस साल बाद' का लोकार्पण भी किया गया। पुस्तक अपनी काया के कारण 'उपन्यासिका' की श्रेणी में आएगी। किंतु रोचकता और पठनीयता की दृष्टि से यह पुस्तक बहुत ही सफल मानी जाएगी। सम्मेलन के उपाध्यक्ष डॉ. शंकर प्रसाद, डॉ. मधु वर्मा, बच्चा ठाकुर, प्रो इंद्रकांत झा, वरिष्ठ शायर आरपी घायल, डॉ. बी एन विश्वकर्मा, चंदा मिश्र आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर आयोजित लघुकथा-गोष्ठी में डॉ. शंकर प्रसाद, डॉ. पूनम आनन्द, श्रीमती विभारानी श्रीवास्तव, श्री चितरंजन लाल भारती, श्री जय प्रकाश पुजारी, श्री श्याम बिहारी प्रभाकर, श्री कुमार अनुपम, श्री कमल किशोर 'कमल', श्री शुभचंद्र सिन्हा, श्री अर्जुन प्रसाद सिंह, श्री हरेंद्र मिश्र, श्रीमती स्मृति कुमकुम, श्रीमती राखी कुमारी तथा श्री बिन्देश्वर प्रसाद गुप्ता ने अपनी-अपनी लघुकथा का पाठ किया। मंच का संचालन श्री ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन श्री कृष्ण रंजन सिंह ने किया।

साभार : कंट्रीइनसाइडन्यूज़.कॉम HTTPS://WWW.COUNTRYINSIDENEWS.COM/?P=30324

मॉरीशसीय हिंदी लेखक दिवस 2023

31 जुलाई, 2023 को महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस के हिंदी विभाग द्वारा मॉरीशसीय हिंदी लेखक दिवस का आयोजन किया गया। इस वर्ष मॉरीशसीय हिंदी लेखक दिवस के उपलक्ष्य में स्व. श्री मधुकर भगत को श्रद्धांजलि स्वरूप स्मरण किया गया। श्री विशाल मंगरू एवं श्री यशी सन्मुखिया द्वारा मधुकर जी की दो कविताओं को गीत के रूप में प्रस्तुत किया गया।

सागरीय अर्थव्यवस्था, समुद्री संसाधन, मत्स्य व्यापार एवं जहाजरानी मंत्री, माननीय श्री सुधीर मोधु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने पूर्वजों के संघर्ष को याद करते हुए मधुकर भगत जी की एक कविता सुनाई। डॉ. कृष्ण कुमार झा, हिंदी विभागाध्यक्ष ने अपने स्वागत-संबोधन में मॉरीशस के स्थापित हिंदी लेखकों की पुस्तकों के पुन: प्रकाशन के बारे में जानकारी देते हुए, श्री मधुकर भगत जी के रचना-संसार पर चर्चा की। संस्थान के महानिदेशक श्री राजकुमार रामपरताब ने मॉरीशस के हिंदी साहित्यकारों की कर्मठता को नमन किया। भारतीय उच्चायोग की प्रतिनिधि, द्वितीय सचिव, श्रीमती सुनीता पाहूजा ने हिंदी पुस्तकों के अनुवाद को लेकर महात्मा गांधी संस्थान की योजना की सराहना की। श्रीमती गौतमी रामयाद ने मधुकर भगत जी के जीवन, परिवार और उनके लेखन पर प्रकाश डाला। भारत से आए प्रकाशक श्री अनिल वर्मा ने मॉरीशस के हिंदी लेखकों के साथ अपनी आत्मीयता का उल्लेख करते हुए बताया कि उन्होंने अपने कार्यकाल में मॉरीशसीय लेखकों की 150 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित की हैं।

इस अवसर पर श्री अनिल वर्मा के सहयोग से महात्मा गांधी संस्थान द्वारा पुन: प्रकाशित पुस्तकों - 'वसंत चयनिका', 'मॉरीशस की हिंदी कविता', 'मॉरीशस के नौ हिंदी कवि', 'मॉरीशस की हिंदी कहानी', 'साँप भी सपेरा भी', 'The establishment and cultivation of modern standard Hindi in Mauritius' का लोकार्पण माननीय मंत्री तथा उपस्थित महानुभावों के हाथों हुआ।

साभार : महात्मा गांधी संस्थान का फ़ेसबुक पृष्ठ

पटना में श्री जगत नारायण प्रसाद 'जगतबंधु' की जयंती पर भव्य समारोह का आयोजन

23 जुलाई, 2023 को बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन, पटना में साहित्यकार श्री जगत नारायण प्रसाद 'जगतबंधु' की जयंती पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। जगतबंधु जी को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए, डॉ. अनिल सुलभ ने कहा कि 'गीता' को अपने जीवन में अक्षरशः उतारने वाले और उसे अपने साहित्य में ढालनेवाले अनुकरणीय व्यक्तित्व थे वे। सबका हित चाहने वाले वे सच्चे अर्थों में 'साहित्य' की संज्ञा थे। 90 वर्ष की आयु में भी 70से कम वय के लगते थे। उनका जीवन-चरित, मूल्यवान-जीवन का अनुकरणीय आदर्श है। समारोह का उद्घाटन करते हुए, पटना उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री संजय कुमार ने कहा कि जगतबंधु जी जैसे साहित्यकार समाज का मार्गदर्शन करते हैं। इस अवसर पर मशहूर शायरा तलत परवीन के काव्य-संग्रह 'अधूरे ख़्वाब' का लोकार्पण किया गया। उर्दू और हिंदी की विदुषी कवयित्री तलत परवीन की शायरी में उनके दिल का ही नहीं सारे ज़माने का दर्द दिखाई देता है। वे समाज की चिंता करने वाली एक संवेदनशील कवयित्री हैं। श्री संजय कुमार ने कहा कि उर्दू के गीत देवनागिरी लिपि में छपते हैं, तो दोनों ही भाषाओं का विकास होता है। समारोह के मुख्य अतिथि और मशहूर शायर कासिम खुर्शीद ने कहा कि तलत परवीन एक ऐसी शायरा हैं, जो खामोशी से और पूरे समर्पण से साहित्य की ख़िदमत कर रही हैं। इस अवसर पर आयोजित कवि-गोष्ठी में अनेक कवियों और कवयित्रियों ने अपनी मधुर काव्य-रचनाओं से सम्मेलन में रस की फुहार छोड़ी। मंच का संचालन कवि ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन कृष्ण रंजन सिंह ने किया।

साभार : न्यूज़भारत24.कॉम HTTPS://NEWSBHARAT24.COM

प्रबुद्ध हिंदू समाज, पटना ने मनायी तुलसी जयंती

27 अगस्त, 2023 को पटेल नगर स्थित 'देव पब्लिक स्कूल', पटना में प्रबुद्ध हिंदू समाज द्वारा तुलसी जयंती का आयोजन किया गया। डॉ. अनिल सुलभ ने कहा कि तुलसी ने राम कथा के माध्यम से समाज के समक्ष एक ऐसा आदर्श रखा, जो युगों-युगों तक भारत को श्रेष्ठ बनाए रखने में सक्षम है। समारोह के मुख्य अतिथि और वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. सुभास प्रसाद सिन्हा ने कहा कि संत तुलसीदास

की विशेषता यह है कि उन्होंने मानस के माध्यम से राम और रामायण को घर-घर में पहुँचा दिया। इस अवसर पर डॉ. मनोज गोवर्द्धनपुरी, श्री कुमार अनुपम, श्री अरुण शंकर, डॉ. मनोज कुमार, श्री रत्नेश आनन्द तथा श्री अजय कुमार सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के आरंभ में संस्था के अध्यक्ष ने विद्वानों और विदुषियों को अंग-वस्त्र और पुष्पहार पहनाकर सम्मानित किया। सभा की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष प्रो. जनार्दन सिंह ने की। अतिथियों का स्वागत संस्था के महासचिव आचार्य पाँचु राम ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन श्री अरुण कुमार राय ने किया। मंच का संचालन विद्यालय के निदेशक डॉ. दिनेश कुमार देव ने किया। कार्यक्रम के आरंभ में संस्था के अध्यक्ष ने विद्वानों और विदुषियों को अंग-वस्त्र और पुष्पहार पहनाकर सम्मानित किया।

साभर : न्यूज़भारत24.कॉम HTTPS://NEWSBHARAT24.COM

रोपड़ में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में 'गुरु सम्मान उत्सव' - काव्य-संध्या का आयोजन

काव्य-संध्या का आयोजन किया। इतने भव्य स्तर पर कवि-सम्मेलन का आयोजन करना हिंदी प्रकोष्ठ के लिए प्रथम अवसर था। इस कवि-सम्मेलन में कविरत्नों के रूप में, कवयित्री मुमताज़ नसीम, श्री हेमंत पाण्डेय, श्री स्वयं श्रीवास्तव तथा श्री अमन अक्षर विशेष रूप से आमंत्रित थे। कवि सम्मेलन की शुरुवात भा.प्रौ.सं. रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा द्वारा सभी कवियों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृतिचिन्ह से स्वागत कर हुई। इस अवसर पर माननीय निदेशक महोदय ने इस प्रकार के साहित्यिक सम्मेलनों एवं कार्यक्रमों की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए यह विचार साझा किया कि इस प्रकार के कार्यक्रम केवल मनोरंजन का ही नहीं, अपितु भाषायी संवर्धन के सशक्त माध्यम के रूप में कार्य करते हैं। कवि श्री हेमंत पाण्डेय ने कवि-सम्मेलन की बागडोर संभाली। कवि-सम्मेलन की विधिवत शुरूआत कवयित्री मुमताज़ नसीम द्वारा सरस्वती वंदना से हुई। तत्पश्चात् श्री स्वयं श्रीवास्तव ने अपने काव्य-पाठ से सभी का मन मोह लिया। कवि श्री अमन अक्षर ने अपनी बहुचर्चित कविता का पाठ किया, जो श्री राम के जीवन पर केंद्रित है। इसके बाद कवयित्री मुमताज़ नसीम ने अपनी कविता का पाठ किया। यह कवि सम्मेलन डॉ. अभिषेक तिवारी, हिंदी प्रकोष्ठ के संकाय प्रभारी तथा श्री विपिन कुमार, हिंदी अधिकारी/सहायक कुलसचिव के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में तथा डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे, वरिष्ठ हिंदी अनुवाद अधिकारी के समन्वयन में आयोजित किया गया था।

साभार : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ की आधिकारिक वेबसाइट

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान, नैनीताल में राजभाषा कार्यक्रम 2023

राजभाषा को कार्यालय के कार्यों में पूर्ण रूप से प्रयोग करने के उद्देश्य से एवं राजभाषा विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में माह सितंबर, 2023 में आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (ARIES) में हिंदी की कार्यशाला, संगोष्ठी एवं प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। यह कार्यक्रम एरीज़ के दोनों परिसरों, मनोरा पीक एवं देवस्थल में आयोजित किया गया। एरीज़ में प्रख्यात साहित्यकार, विज्ञान लेखक, किस्सागोई के लिए मशहूर श्री देवेंद्र मेवाड़ी मार्गदर्शन हेतु उपस्थित रहे। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य हिंदी को बढ़ावा देना और संस्थान में हिंदी का भरपूर प्रयोग करना है। संस्थान के अधिकारियों ने पुणे, महाराष्ट्र में 14-15 सितंबर, 2023 को भव्य रूप से आयोजित हिंदी दिवस एवं तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लिया। एरीज़ में सितंबर माह में हिंदी की 7 प्रतियोगिताएँ वर्ग पहेली, आशुभाषण, निबंध, अनुवाद, शब्द-ज्ञान, प्रश्नोत्तरी, नारा-सूक्ति लेखन आयोजित की गईं। साथ ही, संस्थान के कार्मिकों ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, (नराकास), हल्द्वानी के तत्वाधान में विभिन्न कार्यालयों द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में भी प्रतिभाग किया। पुरस्कार-वितरण-समारोह के मुख्य अतिथि, प्रो. अतुल कुमार जोशी रहे।

साभार : एरीज़ की वेबसाइट

देहरादून में हिंदी चेतना मास

1 से 30 सितंबर, 2023 तक भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून में हिंदी चेतना मास आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत 1 सितंबर, 2023 को हिंदी चेतना मास का उद्घाटन समारोह संस्थान के संगोष्ठी कक्ष में आयोजित किया गया। इस समारोह में हिंदी साहित्य के प्रख्यात नवगीतकार, वरिष्ठ पत्रकार एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. असीम शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थे। श्री शुक्ल जी ने श्रोताओं को हिंदी के प्रति निष्ठापूर्ण ढंग से काम करने के लिए प्रेरित किया। अध्यक्षीय सम्बोधन में संस्थान के निदेशक डॉ. एम. मधु ने कहा कि "वर्तमान में विश्व के बदलते आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य में हिंदी भाषा न केवल राष्ट्र भाषा के रूप में बल्कि वैश्विक भाषा के रूप में भी मज़बूती से स्थापित हुई है।"

उद्घाटन समारोह के पश्चात् हिंदी प्रतियोगिताएँ आरम्भ हुईं। 4 सितंबर को हिंदी निबंध प्रतियोगिता, 5 सितंबर को श्रुतलेखन प्रतियोगिता, 8 सितंबर को हाइब्रिड मोड (ऑनलाइन एवं ऑफ़लाइन) में वाद-विवाद प्रतियोगिता, 11 सितंबर को हाइब्रिड मोड में हिंदी आशुभाषण प्रतियोगिता, 19 सितंबर को हाइब्रिड मोड में हिंदी कविता-पाठ प्रतियोगिता, 20 सितंबर 2023 को समाज-विज्ञान प्रभाग के समिति कक्ष में हिंदी प्रारूपण एवं टिप्पणी लेखन प्रतियोगिता, 25 सितंबर को केवल हिंदीतर भाषी कार्मिकों के लिए शुद्ध एवं शीघ्र हिंदी लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

14 सितंबर को हिंदी दिवस समारोह मनाया गया, जिसमें संगोष्ठी कक्ष में उपस्थित सभी कार्मिकों ने हिंदी भाषा में 'मृदा एवं जल संरक्षण' शीर्षक पर तात्कालिक वक्तव्य दिए और उपहार स्वरूप सभी को निदेशक महोदय द्वारा पौधा देकर सम्मानित किया गया। हिंदी दिवस समारोह का संचालन श्री हीरा नन्द शर्मा, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने किया।

27 सितंबर, 2023 को ज़ूम मीटिंग के माध्यम से एक राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय था - 'राजभाषा के रूप में हिंदी का महत्त्व'। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. खेमसिंह डहेरिया, कुलपति, अटल बिहारी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल, म.प्र., बीजवक्ता प्रो. गंगाधर वानोडे, क्षेत्रीय निदेशक, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद एवं विशिष्ट वक्तागण के रूप में प्रो. रजनी बाला, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, प्रो. राजेंद्र गौतम, पूर्व प्रोफ़ेसर दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. प्रीति के., एसोसिएट प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, कन्नूर विश्वविद्यालय, केरल उपस्थित थे। श्री केशव देव, पूर्व संयुक्त निदेशक (राजभाषा),

आईएआरआई, नई दिल्ली, श्री जय नारायण उपाध्याय, राजभाषा अधिकारी, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली, डॉ. शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), एफ़आरआई, देहरादून), श्री देवेन्द्र कुमार धरम, उपनिदेशक (राजभाषा) एनबीएलयूएसएस, नागपुर ने इन प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका निभाई।

4 अक्टूबर, 2023 को हिंदी चेतना मास का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। प्रो. राम विनय सिंह, संस्कृत विभाग, डी.ए.वी. कॉलिज, देहरादून मुख्य अतिथि थे। इस समारोह में प्रतियोगिताओं के कुल 71 विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

हिंदी चेतना मास 2023 के कार्यक्रम की रुपरेखा तैयार करने, प्रतियोगिताओं का आयोजन तथा कार्यक्रमों के समन्वय एवं मंच-संचालन का समस्त कार्य उपनिदेशक (राजभाषा), श्री आशुतोष कुमार तिवारी द्वारा किया गया।

साभार : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की वेबसाइट

वर्धा में हिंदी शिक्षकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

5 अगस्त, 2023 को महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में 7 से 19 अगस्त तक अंतर्राष्ट्रीय हिंदी शिक्षकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 24 देशों के 37 हिंदी शिक्षक शामिल हुए। विश्वविद्यालय और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद्, नई दिल्ली (आईसीसीआर) के बीच हुए एक स्थायी अनुबंध के अंतर्गत यह आयोजन किया गया। इस 12 दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम में लंदन, मास्को, बैंकाक, बर्लिन, बुडापेस्ट, कैरो, कोलंबो, यागोन, डर्बन, दुसांबे, जॉर्जटाउन, काठमांडू, कुआलालम्पुर, पारामारिबो, पोर्ट ऑफ़ स्पेन, सुवा, ताश्कंद, तेहरान, द हेग, थिम्फू, हनोइ, दर ए सलाम आदि स्थानों में कार्यरत हिंदी शिक्षकों ने प्रतिभागिता की। इन शिक्षकों को भाषा-शिक्षण, अनुवाद, हिंदी भाषा-संरचना, हिंदी का अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य, भारतीय साहित्य, संस्कृति, रामायण, महाभारत, कुटुंब व्यवस्था एवं विवाह संस्कार, भारतीय शिक्षा प्रणाली, योग, कला, ज्ञान परंपरा आदि विषयों से परिचित कराया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सोमवार, 7 अगस्त को विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में पूर्वाह्न 10:00 बजे ग़ालिब सभागार में संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् की उपमहानिदेशक श्रीमती अंजू रंजन भी उपस्थित रहीं।

साभार : महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की आधिकारिक वेबसाइट

हिंदी साहित्य के प्रति अभिरुचि - आभासी कार्यक्रम

1 जुलाई, 2023 को विश्व हिंदी सचिवालय ने शिक्षा, तृतीयक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, मॉरीशस एवं भारतीय उच्चायोग, मॉरीशस के तत्त्वावधान में तथा 'हिंदी से प्यार है', 'महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस', 'ओसाका विश्वविद्यालय, जापान' तथा 'त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल' के सहयोग से हिंदी साहित्य के प्रति अभिरुचि - भाग 3 - संदर्भ 'हिंदी उपन्यास' पर आभासी कार्यक्रम का आयोजन किया। हिंदी उपन्यास के प्रति युवाओं की रुचि बढ़ाना इस कार्यक्रम का उद्देश्य रहा। विश्व हिंदी सचिवालय की महासचिव, डॉ. माधुरी रामधारी ने सभी विद्वतजनों एवं प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत किया। ओसाका विश्वविद्यालय की छात्रा, यूज़ूकी सासाकी ने गीतांजलि श्री के प्रसिद्ध उपन्यास 'रेत समाधि' पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह उपन्यास भारत-पाकिस्तान बँटवारे के उपरान्त दोनों ओर के नागरिकों को हुई परेशानियों का वर्णन करता है। महात्मा गांधी संस्थान की छात्रा, गायत्री देवी कालीचर्ण ने 'हम प्रवासी' उपन्यास के बारे में बताया कि इस उपन्यास में अभिमन्यु अनत ने भारत के कई प्रांतों से लाए गए गिरमिटिया मज़दूरों की दयनीय स्थिति का सजीव चित्रण किया है। त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल की छात्रा मधु कुमारी ने उपन्यास का अर्थ स्पष्ट किया। वह न्यास, जो हमारे जीवन के एकदम निकट हो। यानी ऐसी रचना, जो हमें समाज के निकट ले जाती है। उन्होंने मुंशी प्रेमचन्द विरचित उपन्यास 'गोदान' पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। प्रो. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि जापान के ओसाका विश्वविद्यालय में प्रथम दो वर्ष सामान्य हिंदी पढ़ाई जाती है। तीसरे वर्ष में साहित्य की कुछ रचनाएँ पढ़ाई जाती हैं। डॉ. कृष्ण कुमार झा के अनुसार उपन्यास में जहाँ एक ओर जीवन-चरित्र का अंकन होता है, वहीं दूसरी ओर काव्य की सुंदरता भी समाहित होती है। डॉ. संजिता वर्मा ने बताया कि नेपाल में विभिन्न साहित्यिक विधाओं की पढ़ाई अलग-अलग सेमेस्टर में होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षा डॉ. सूर्यबाला ने कहा कि अलग-अलग देशों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में उपन्यासों को सम्मिलित किया गया है, यह सराहनीय कार्य है। विश्व हिंदी सचिवालय के उप-महासचिव डॉ. शुभंकर मिश्र ने आभार ज्ञापित किया तथा 'हिंदी से प्यार है' के संस्थापक श्री अनूप भार्गव ने मंच-संचालन किया।

('हिंदी साहित्य के प्रति अभिरुचि' आभासी कार्यक्रम के सभी संस्करण विश्व हिंदी सचिवालय के औपचारिक यूट्यूब चैनल : https://www.youtube.com/@worldhindisecretariat पर उपलब्ध हैं।)

विश्व हिंदी सचिवालय की रिपोर्ट

हिंदी में अभिव्यक्ति - आभासी कार्यक्रम

15 जुलाई, 2023 को विश्व हिंदी सचिवालय ने शिक्षा, तृतीयक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, मॉरीशस एवं भारतीय उच्चायोग, मॉरीशस के तत्त्वावधान में तथा 'हिंदी से प्यार है', अमेरिका 'सूरीनाम हिंदी परिषद्, सूरीनाम', 'डी. पी.एस. मोडर्न इंडियन स्कूल, कतर' एवं 'भारतीय विद्या संस्थान, त्रिनिदाद' के सहयोग से 'हिंदी में अभिव्यक्ति - भाग 3' आभासी कार्यक्रम का आयोजन किया। हिंदी में अभिव्यक्ति-कौशल का विकास करना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रहा। विश्व हिंदी सचिवालय की महासचिव, डॉ. माधुरी रामधारी ने सभी का औपचारिक स्वागत किया। सूरीनाम से हिंदी की छात्रा जोति महादेवसिमीर ने 'सत्संग से लाभ' विषय पर हिंदी में अभिव्यक्ति की। दिल्ली पब्लिक मोडर्न स्कूल, कतर की छात्रा आस्था राजेश मल्लाह ने हरिवंश राय बच्चन की कविता प्रस्तुत की। भारतीय विद्या संस्थान, त्रिनिदाद एवं टोबैगो की छात्रा सुज़ान पुरन-चुरामन ने कहा कि संगीत उनका प्रिय विषय है, क्योंकि संगीत से दिमाग का विकास होता है और धार्मिक एवं आध्यात्मिक जीवन से संगीत जुड़ा हुआ है। लैलावती लालाराम हरद्वारसिंह ने बताया कि सूरीनाम हिंदी परिषद्, हिंदी को सूरीनाम में जीवित रखने की कोशिश कर रही है। श्रीमती शालिनी वर्मा ने बताया कि कतर में पहली कक्षा से दसवीं कक्षा तक हिंदी पढ़ाई जाती है और पूरे वर्ष हिंदी की गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। त्रिनिदाद एवं टोबैगो की श्रीमती नलिनी महाराज ने बताया कि त्रिनिदाद के भारतीय विद्या संस्थान में भले ही कोई निश्चित पाठ्यक्रम नहीं है, फिर भी हिंदी नियमित रूप से पढ़ाई जाती है। कार्यक्रम की अध्यक्षा, डॉ.

पी माणिकांबा 'मणि' के अनुसार भाषा से प्रेम होना ज़रूरी है, क्योंकि भाषा एक सेतु है, जो एक देश से दूसरे देश को जोड़ने का कार्य करती है। डॉ. सोमदत्त काशीनाथ ने मंच-संचालन तथा 'हिंदी से प्यार है' के संस्थापक, श्री अनूप भार्गव ने धन्यवाद-ज्ञापन किया।

('हिंदी में अभिव्यक्ति' आभासी कार्यक्रम के सभी संस्करण विश्व हिंदी सचिवालय के औपचारिक यूट्यूब चैनल : https://www.youtube.com/@worldhindisecretariat पर उपलब्ध हैं।)

विश्व हिंदी सचिवालय की रिपोर्ट

वेब संगोष्ठी : प्रौद्योगिकी कार्यशाला 'प्रभावी प्रस्तुति कैसे तैयार करें' विषय पर परिचर्चा

2 जुलाई, 2023 को केन्द्रीय हिंदी संस्थान, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद् तथा विश्व हिंदी सचिवालय के संयुक्त तत्त्वावधान में वैश्विक हिंदी परिवार ने प्रौद्योगिकी कार्यशाला 'प्रभावी प्रस्तुति कैसे तैयार करें' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया। डॉ. सुरेश कुमार मिश्र ने औपचारिक स्वागत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के प्रस्तोता, प्रो. राजेश कुमार ने बताया कि प्रस्तुति का दायरा समझते हुए प्रभावपूर्ण प्रस्तुति कैसे की जा सकती है। उन्होंने '30/20/10' का फ़ॉर्मूला दिया - इसमें 10 का अर्थ है 10 स्लाइड, 20 का अर्थ है 20 मिनट में प्रस्तुत करें तथा 30 का अर्थ है फॉण्ट का आकार 30 से कम नहीं होना चाहिए तभी आप अच्छी प्रस्तुति कर सकेंगे। इसमें डिज़ाइन, एनिमेशन, छवियाँ, वीडियो आदि के माध्यम से हम प्रभावी प्रस्तुति प्रस्तुत कर सकते हैं। उनके अनुसार अपने विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना ही 'प्रस्तुति' है। अध्यक्षीय वक्तव्य में श्री अशोक सिंह ने कहा कि प्रस्तुति का सबसे प्रचलित माध्यम पावर पोंइंट है। उन्होंने बताया कि पावर पोंइंट प्रज़ेंटेशन बनाना और उसे प्रस्तुत करना दो अलग-अलग चीज़ें हैं तथा दोनों ही महत्त्वपूर्ण हैं। कार्यक्रम का संचालन मोहन बहुगुणा ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन श्री राजीव कुमार रावत ने किया।

(वैश्विक हिंदी परिवार का साप्ताहिक आभासी कार्यक्रम उनके औपचारिक यूट्यूब चैनल : https://www.youtube.com/@vishwahindi पर उपलब्ध हैं।)

विश्व हिंदी सचिवालय की रिपोर्ट

साक्षात्कार

17 जुलाई, 2023 को मॉरीशस ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन के सहयोग से 'शिमला में हिंदी-शिक्षण और फ्रेंच का अध्यापन' विषय पर 'क्षितिज' रेडियो कार्यक्रम प्रसारित किया गया। कार्यक्रम की अतिथि भारत में स्थित मॉरीशस की मूल निवासी, डॉ. देविना अक्षयवर रही। वे शिमला के सेंट बिड्स कॉलिज की अध्यापिका के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने भारत तथा मॉरीशस में बी.ए कोर्स में समानता और अंतर पर खुलासा किया। उन्होंने कहा कि "मॉरीशस में हिंदी विरासत भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है। जबकि भारत में यह भारतीयों की मातृभाषा है।" इसके अतिरिक्त, उन्होंने कहा कि मॉरीशस में हिंदी एक मानक भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है, परंतु भारत में विभिन्न राज्यों में भाषा में बदलाव होने के कारण छात्रों का उच्चारण भी प्रभावित होता है। इससे छात्र के लेखन-कौशल पर प्रभाव पड़ता है। श्री धनराज शम्भु ने साक्षात्कार के लिए डॉ. देविना अक्षयवर को धन्यवाद-ज्ञापित किया।

(विभिन्न देशों के हिंदी विद्वानों के साक्षात्कार विश्व हिंदी सचिवालय की औपचारिक वेबसाइट https://vishwahindi.com/new/# के 'ओडिओ' भाग पर उपलब्ध हैं।)

विश्व हिंदी सचिवालय की रिपोर्ट

लोकार्पण

दिल्ली में 'श्रीमद्भगवद्गीता-दोहा रूपांतरण' और 'यक्ष प्रिया की पाती' का लोकार्पण

15 जुलाई, 2023 को केंद्रीय साहित्य अकादेमी के सभागार में प्रख्यात दोहाकार डॉ. जगमोहन शर्मा की पुस्तकों 'श्रीमद्भगवद्गीता-दोहा रूपांतरण' और महाकवि कालिदास के 'मेघदूत' पर आधारित 'यक्ष प्रिया की पाती' का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रभात प्रकाशन और हंसराज कॉलिज लिटरेरी सोसायटी के संयुक्त तत्त्वावधान में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हंसराज कॉलिज, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रधानाचार्य और वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. रमा ने की। विशिष्ट वक्ता के रूप में 'दोहापुरुष' कहे जाने वाले श्री नरेश शांडिल्य और वरिष्ठ दोहाकार श्री सोमदत्त शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन हंसराज कॉलिज के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर श्री प्रभांषु ओझा ने किया। इस अवसर पर नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित श्री कैलाश सत्यार्थी उपस्थित थे। समारोह के आरम्भ में अपनी पुस्तकों से परिचय कराते हुए डॉ. जगमोहन शर्मा ने कहा कि भारतीय मेधा जटिलता को स्वीकार नहीं करती। संस्कृत के इन महाकाव्यों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए इसके दोहांतरण की आवश्यकता है। प्रो. रमा ने कहा कि "आज हम आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, तो ऐसे में भारतीय ज्ञान परंपरा की सबसे अद्भुत कृति 'श्रीमद्भगवद्गीता' का भी घर-घर पहुँचना ज़रूरी है।" श्री नरेश शांडिल्य तथा श्री सोमदत्त शर्मा ने भी वक्तव्य प्रस्तुत किया।

साभार : यूनीवार्ता

हरियाणा में 'आओ चलें उन राहों पर' बाल कहानी-संग्रह का विमोचन

18 अगस्त, 2023 को हरियाणा में हिंदी साहित्य के युवा लेखक श्री विकास बिश्नोई द्वारा लिखित बाल कहानी-संग्रह 'आओ चलें उन राहों पर' का विमोचन हुआ। विमोचन हरियाणा के उपमुख्यमंत्री माननीय श्री दुष्यंत चौटाला के कर-कमलों द्वारा हुआ। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में उन्होंने हिंदी साहित्य को सँजोए रखने में लेखकों की अहम भूमिका पर बात की और कहा कि लेखकों की लेखनी से ही साहित्य का प्रचार और प्रसार हो सकता है। उन्होंने कहा कि युवा लेखक विकास के द्वारा रचित कहानी-संग्रह निश्चित ही समाज और बाल वर्ग को एक नई प्रेरणा देगा।

इस अवसर पर युवा लेखक श्री विकास बिश्नोई ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके कहानी-संग्रह का प्रकाशन दिल्ली के शब्दाहुति प्रकाशन द्वारा अमृत महोत्सव योजना के अंतर्गत निशुल्क किया गया है। संग्रह में बाल वर्ग में देशभक्ति की भावना पैदा करने के साथ-साथ मानवीय मूल्यों और संवेदनाओं से प्रेरित 35 से ज़्यादा कहानियाँ हैं।

इस अवसर पर जेजेपी प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट श्री मनदीप बिश्नोई, जांभाणी साहित्य अकादमी के सचिव पृथ्वी सिंह बैनीवाल तथा शिक्षाविद् डॉ. अजीत सिंह उपस्थित थे।

साभार : साहित्य कुंज.नेट

पटना में मैथिली काव्य-संग्रह 'कदमों के निशान' के हिंदी अनुवाद का लोकार्पण

2 सितंबर, 2023 को बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन में पं. भावनाथ झा द्वारा अनूदित डॉ. धीरेंद्र कुमार सिंह के मैथिली काव्य-संग्रह के हिंदी अनुवाद 'कदमों के निशान' का लोकार्पण किया गया। डॉ. धीरेंद्र कुमार सिंह कैंसर रोग के विशेषज्ञ व सुप्रतिष्ठ चिकित्सा-विज्ञानी हैं।

इस अवसर पर सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि डॉ. सिंह चिकित्सा विज्ञान के अतिरिक्त रचनात्मक साहित्य भी लिख रहे हैं। चिकित्सा-विज्ञान की मानस-भूमि से काव्य-साहित्य की उत्पत्ति हो, यह निश्चय ही साहित्य-संसार के लिए आह्लादकारी है। डॉ. सुलभ ने अनुवादकर्ता पं. भावनाथ झा को अंग-वस्त्र देकर सम्मानित किया। समारोह के मुख्य अतिथि और वरिष्ठ साहित्यकार श्री जियालाल आर्य के साथ-साथ डॉ. धीरेंद्र सिंह, पं भवनाथ झा, प्रो. बी. एन. विश्वकर्मा तथा गुंजन श्री ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर आयोजित कवि-सम्मेलन में सम्मेलन के उपाध्यक्ष डॉ. शंकर प्रसाद, वरिष्ठ शायर रमेश कँवल, वरिष्ठ कवि और सम्मेलन के उपाध्यक्ष श्री मृत्युंजय मिश्र 'करुणेश', व्यंग्य कवि श्री ओम् प्रकाश पाण्डेय 'प्रकाश', श्री कुमार अनुपम, डॉ. विनय कुमार विष्णुपुरी, श्री मोईन गिरीडीहवी, श्री राज किशोर झा आदि ने भी अपनी रचनाओं का पाठ किया। मंच का संचालन कवि श्री सुनील कुमार दूबे ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन श्री कृष्ण रंजन सिंह ने किया।

साभार : कंट्रीइनसाइडन्यूज़.कॉम HTTPS://WWW.COUNTRYINSIDENEWS.COM/?P=30324

पटना में आलोचना पुस्तक 'हिंदी साहित्य और लोक-चेतना' का विमोचन

18 अगस्त, 2023 को मधेपुरा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और विद्वान समालोचक प्रो. अमरनाथ सिन्हा के आलेखों के संकलन 'हिंदी साहित्य और लोकचेतना' का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने की।

सम्मेलन के प्रधानमंत्री डॉ. शिववंश पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत किया। लेखकीय वक्तव्य में प्रो सिन्हा ने कहा कि अपने अध्यापकीय जीवन में इस प्रसंग में जितने प्रश्न उभरे उन सब पर अलग-अलग समय में जो उत्तर के रूप में आलेख लिखे गए, यह संकलन उन्हीं आलेखों के हैं। सम्मेलन के उपाध्यक्ष डॉ. शंकर प्रसाद एवं अन्य वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। मंच का संचालन कवि ब्रह्मानंद पाण्डेय ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन प्रबंधमंत्री कृष्ण रंजन सिंह ने किया।

साभार : कंट्रीइनसाइडन्यूज़.कॉम HTTPS://WWW.COUNTRYINSIDENEWS.COM/?P=30324

सम्मान एवं पुरस्कार

डॉ. अमिता दुबे को 'सर्वभाषा साहित्य सृजन सम्मान 2023'

11 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली में हिंदी की सुपरिचित कवयित्री, कथाकार, आलोचक डॉ. अमिता दुबे को सर्वभाषा ट्रस्ट की ओर से 'सर्वभाषा साहित्य सृजन सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान ट्रस्ट की ओर से प्रो. रामदरश मिश्र ने अपने आवास पर आयोजित एक समारोह में प्रदान किया। डॉ. अमिता दुबे को उन्होंने शॉल से विभूषित कर सम्मान प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र भेंट किया। इस अवसर पर हिंदी के समालोचक कवि डॉ. ओम निश्चल, सुपरिचित लेखिका एवं दिल्ली विश्वविद्यालय, खालसा कॉलिज की हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. स्मिता मिश्र, सर्वभाषा ट्रस्ट के संयोजक केशव मोहन पांडेय और कई लेखक एवं संस्कृतिकर्मी उपस्थित थे। अपने संबोधन में प्रो. रामदरश मिश्र ने डॉ. अमिता दुबे को अत्यंत संवेदनशील कवयित्री और कथाकार बताया तथा कहा कि वे उनकी रचनाएँ पढ़ते रहे हैं और बहुत कम समय में उन्होंने कथा उपन्यास, कविता, समालोचना और बाल साहित्य में सराहनीय लेखन किया तथा एक उल्लेखनीय स्थान अर्जित किया है। डॉ. ओम निश्चल ने उनके लेखन में मानवीय मूल्यों और सतत रचनाशीलता के लिए उनके संकल्प और प्रतिश्रुति की सराहना की। हिंदी साहित्य में गत साढ़े तीन दशकों से रचनारत एवं 15 मार्च, 1967 को लखनऊ में जन्मी डॉ. अमिता दुबे ने साहित्य की विविध विधाओं में सृजन किया है। संप्रति वे उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ में प्रधान संपादक के पद पर कार्यरत हैं। डॉ. अमिता दुबे के रचना संसार पर विभिन्न विश्वविद्यालयों में अनेक शोध कार्य संपन्न हो चुके हैं तथा उनकी कहानियाँ और कविताओं का उड़िया, बांग्ला, गुजराती, मराठी एवं पंजाबी आदि भाषाओं में अनुवाद किया जा चुका है।

साभार : हिंदी की गूँज

काशी में सम्मानित हुए बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष

21 अगस्त, 2023 को काशी हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस में सरदार वल्लभ भाई पटेल छात्रावास स्थित वाग्देवी सभागार में 'महामनामृत व्याख्यान श्रृंखला' के अंतर्गत 'राष्ट्रभाषा का वर्तमान परिप्रेक्ष्य' विषय पर डॉ. अनिल सुलभ ने मुख्य वक्ता के रूप में अत्यंत सारगर्भित और ज्ञानोपयोगी व्याख्यान दिए, जिससे बड़ी संख्या में भाषा के विद्यार्थी और शोधार्थीगण लाभान्वित हुए। डॉ. सुलभ ने कहा कि 'राष्ट्रीयता', 'राष्ट्रीय-चेतना' और 'देश की एक सूत्रबद्धता' के लिए देश की 'एक राष्ट्रभाषा' का होना अनिवार्य है। 'हिंदी' ने देश को अंग्रेज़ों के विरुद्ध एक सूत्र में बाँधा था, अब उसकी आवश्यकता भारत की अखंडता और 'विविधता में एकता' के सूत्र-वाक्य की सिद्धि में है। इसमें देश की राष्ट्रभाषा बनने की श्रेष्ठतम योग्यता है। व्याख्यान के पूर्व विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अनुभाग अधिकारी और कवि डॉ. रमेश कुमार 'निर्मेष', विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में प्राध्यापक और सभा के अध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार ज्योति तथा विश्वविद्यालय के पत्रकारिता और जनसंप्रेषण विभाग में प्राध्यापक और छात्रावास के संरक्षक डॉ. धीरेंद्र कुमार राय ने डॉ. सुलभ को अंग-वस्त्र और स्मृति-चिन्ह देकर सम्मानित किया। धन्यवाद-ज्ञापन हिंदी के शोधार्थी सुशान्त कुमार

पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर डॉ. राजकुमार मीणा सहित विभिन्न विषयों के प्राध्यापक एवं शोधार्थी उपस्थित थे।

साभार : गणादेश.कॉम

वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव को 'साहित्य शिल्पी सम्मान'

सम्मान समारोह में चर्चित ब्लॉगर और साहित्यकार एवं सम्प्रति वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव को विशिष्ट कृतित्व, रचनाधर्मिता और प्रशासन के साथ-साथ सतत् साहित्य सृजनशीलता हेतु सिक्किम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने 'साहित्य शिल्पी सम्मान' से सम्मानित किया। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी श्री कृष्ण कुमार यादव की विभिन्न विधाओं में सात पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। देश-विदेश की तमाम पत्र-पत्रिकाओं और इंटरनेट पर निरंतर प्रकाशन के साथ आकाशवाणी व दूरदर्शन से भी विभिन्न विधाओं में आपकी सृजनात्मकता का प्रसारण होता रहता है। आपके कृतित्व पर एक पुस्तक 'बढ़ते चरण शिखर की ओर : कृष्ण कुमार यादव' भी प्रकाशित हो चुकी है। श्री कृष्ण कुमार यादव लोकप्रिय प्रशासक के साथ ही सामाजिक, साहित्यिक और समसामयिक मुद्दों से सम्बंधित विषयों पर प्रमुखता से लेखन करने वाले साहित्यकार, विचारक और ब्लॉगर भी हैं। देश-विदेश में विभिन्न प्रतिष्ठित सामाजिक-साहित्यिक संस्थाओं द्वारा आपको शताधिक सम्मान और मानद उपाधियाँ प्राप्त हैं। उ.प्र. के मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव द्वारा 'अवध सम्मान', पश्चिम बंगाल के राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी द्वारा 'साहित्य-सम्मान', छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री शेखर दत्त द्वारा 'विज्ञान परिषद शताब्दी सम्मान' से विभूषित आपको अंतर्राष्ट्रीय ब्लॉगर्स सम्मेलन, नेपाल, भूटान और श्रीलंका में भी सम्मानित किया जा चुका है। विभागीय दायित्वों और हिंदी के प्रचार-प्रसार के क्रम में अब तक श्री यादव लंदन, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, दक्षिण कोरिया, भूटान, श्रीलंका, नेपाल जैसे देशों की यात्रा कर चुके हैं।

साभार : डाकबाबू.ब्लॉगस्पॉट.कॉम HTTPS://DAKBABU.BLOGSPOT.COM

हडको क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता को पुरस्कार

25 अगस्त, 2023 को आयोजित नराकास उपक्रम की अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक में राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य निष्पादन हेतु पुरस्कार, पत्रिका/ई-पत्रिका पुरस्कार श्रेणी में हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता को पुरस्कार दिया गया। राजभाषा के प्रचार-प्रसार में निरंतर प्रयासरत रहते हुए हडको क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता को वर्ष 2022-23 के लिए राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति नराकास, कोलकाता द्वारा यह सम्मान दिया गया। श्री देवेश चक्रवर्ती, क्षेत्रीय प्रमुख (प्रभारी), श्री दीपांकर दत्ता, हिंदी नोडल अधिकारी और श्री स्वरूप दास, हिंदी नोडल सहायक ने पुरस्कार प्राप्त किया।

साभार : हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड की वेबसाइट

हिंदी दिवस 2023 के उपलक्ष्य में हिंदी छात्रों की उपलब्धियों का सम्मान

23 सितंबर, 2023 को हिंदी दिवस 2023 के उपलक्ष्य में, हिंदी स्पीकिंग यूनियन ने नवंबर/दिसंबर 2022 में स्कूल सर्टिफ़िकेट (एस.सी.) और हायर स्कूल सर्टिफ़िकेट (एच.एस.सी.) परीक्षाओं में हिंदी विषय में छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित करने के लिए एक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया। रेज्वी में आयोजित इस समारोह में मॉरीशस गणराज्य के कार्यवाहक राष्ट्रपति, श्री मैरी सिरिल एडी बोआसेज़ों, उप-प्रधानमंत्री एवं शिक्षा, तृतीयक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, श्रीमती लीला देवी दुकन-लछुमन, कला एवं सांस्कृतिक धरोहर मंत्री, श्री अविनाश तिलक और हिंदी स्पीकिंग यूनियन के अध्यक्ष डॉ. उदय नारायण गंगू उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने संबोधन में मॉरीशस गणराज्य के कार्यवाहक राष्ट्रपति ने कहा कि हिंदी दुनिया की संस्कृतियों के ऐतिहासिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है और न केवल सम्मान के योग्य है, बल्कि इसका अध्ययन भी किया जाना चाहिए। उन्होंने उन सभी छात्रों को बधाई दी, जो हिंदी को एक अकादमिक विषय के रूप में पढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल, 155 उम्मीदवारों में से 153 ने एचएससी परीक्षाओं (98.7%) में हिंदी विषय में उत्कृष्ट कार्य किया, जिसमें 45% ने ए या ए+ स्कोर किया, जबकि एससी परीक्षाओं के लिए, 1,720 में से 1,636 उम्मीदवारों ने अपनी परीक्षाएँ उत्तीर्ण कीं और 82% ने क्रेडिट प्राप्त किया। कार्यवाहक राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारतीय प्रवासी देशों में, हिंदी भाषा के संरक्षण और संवर्धन के मामले में मॉरीशस का एक विशेष स्थान है। महात्मा गांधी संस्थान और इंदिरा गांधी भारतीय सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना के माध्यम से हिंदी भाषा और हिंदी साहित्य के संरक्षण और संवर्धन के लिए मॉरीशस को प्राप्त हो रहे भारत सरकार के समर्थन को रेखांकित किया गया और यह भी याद दिलाया गया कि विश्व हिंदी सचिवालय का मुख्यालय मॉरीशस में है।

साभार : गवर्नमेंट इंफ़ॉर्मेशन सर्विस (GIS) का फ़ेसबुक पेज

प्रधान संपादक	:	डॉ. माधुरी रामधारी	फ़ोन	:	(230) 660 0800
संपादक	:	डॉ. शुभंकर मिश्र	ई-मेल	:	info@vishwahindi.com
वरिष्ठ सहायक संपादक	:	श्री प्रकाश वीर	वेबसाइट	:	www.vishwahindi.com
सहायक संपादक	:	श्रीमती श्रद्धांजलि हजगैबी-बिहारी	डेटाबेस	:	www.vishwahindidb.com
पता	:	विश्व हिंदी सचिवालय, इंडिपेंडेंस स्ट्रीट, फ़ेनिक्स 73423, मॉरीशस World Hindi Secretariat, Independence Street, Phoenix 73423, Mauritius	फ़ेसबुक	:	www.facebook.com/groups/vishwahindisachivalay/
			ट्विटर	:	@WHSMauritius
			इंस्टाग्राम	:	WHS_08

संपादकीय

गिरमिटिया देशों में हिंदी साहित्य का सृजन

19वीं शताब्दी के तीसरे दशक से लेकर 20वीं सदी के दूसरे दशक तक अ र्था त् ल ग भ ग 90 वर्षों के अंतर्गत एक अनुबंध-प्रथा के तहत भारत के विभिन्न प्रांतों के निवासी हज़ारों की संख्या में मज़दूर बनकर मॉरीशस, फ़िजी, सूरीनाम, गयाना, त्रिनिदाद-टोबेगो और दक्षिण अफ़्रीका पहुँचे थे। इस कालखंड में उनके द्वारा और इस काल के उपरांत उनके वंशजों द्वारा हिंदी का जो साहित्य रचा गया, वह एक नवीन साहित्य के रूप में उभरकर विश्व के सामने आया। ऐतिहासिक एवं समाजशास्त्रीय महत्त्व रखने वाला यह साहित्य गिरमिट जीवन का दस्तावेज़ बना।

स्वदेश छोड़ने और परदेश में कठिन परिस्थितियों से संघर्ष करने की अपनी नवीन अनुभूतियों को गिरमिटिया भारतीयों ने स्वाभाविक रूप से साहित्य में अभिव्यक्ति दी। सूरीनाम के श्री अमरसिंह रमन अपनी कविता में लिखते हैं –

"कलकट्टे से पुरखे आए, डिपु में नाम लिखाए के
सूरीनाम में डेरा डाला, जांत-पांत लुकुवाए के
इसी देश में गर-गढ़ गए, खून-पसीने बहाए के।"

गोरे मालिकों के अत्याचार, पश्चिमी सभ्यता का प्रभाव, जीवन-मूल्यों का हनन, भारतीय संस्कृति की रक्षा करने का संघर्ष, अपनी अस्मिता की खोज और नए जीवन का स्वप्न गिरमिटिया प्रवासी हिंदी साहित्य में स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है। विश्वविख्यात मॉरीशसीय हिंदी साहित्यकार अभिमन्यु अनत लिखते हैं :

"छीनने नहीं दूँगा, तुम्हें लेकिन
अपनी पहचान, अपनी भाषा"

संवेदनशील पाठकों के मन में गिरमिटिया देशों का हिंदी साहित्य मानवीय भाव जगाता है। त्रिनिदाद के रचनाकार श्री हरिशंकर आदेश उदात्त गुणों का आह्वान करते हैं –

"हे जग जननी, दो हमें ऐसे शुद्ध विचार
भेद-भाव भूलें सभी, विश्व बने परिवार।"

मानवीय और सामाजिक चेतना का सरोकार कराते हुए गयाना के पंडित रामलाल 'सर्वजनहिताय' और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के व्यापक भाव को व्यक्त करते हैं। उनके शब्दों में –

"अरे, जतन कर ले मनवा
मनुज तन पाई कै
...
संग संग हम रह ले भैया
हिंदी विश्व में फैलाई कै।"

मनुष्य के जीवन का केन्द्रीय भाव प्रेम है। हिंदी भाषा के प्रति गहन प्रेम गिरमिटिया प्रवासी हिंदी साहित्यकारों की रचनाओं का प्रमुख आधार था। मनुष्य को जिस प्रकार भोजन से ऊर्जा मिलती है, उसी प्रकार गिरमिटिया मज़दूरों को हिंदी से ऊर्जा मिलती थी। हिंदी सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने के लिए वे लालायित रहते थे। हिंदी के माध्यम से ही वे अपनी संस्कृति से जुड़े रहे। मॉरीशस के कवि डॉ. मुनीश्वरलाल चिंतामणि लिखते हैं –

"उस आदमी से जाकर कहो कि
मेरी हिंदी भाषा
एक ऐसी खूबसूरत चीज़ है
जिसने मेरी संस्कृति को
अब भी बचाए रखा है।"

इसी प्रकार फ़िजी के कवि सुखराम लिखते हैं –

"हिंदी हमारी मातृभाषा, हिंदी हमारा धर्म है।
हिंदी हमारी संस्कृति, हिंदी हमारा कर्म है।"

हिंदी द्वारा भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण करने की अभिलाषा ने गिरमिटिया देशों में हिंदी साहित्य को जन्म दिया।

गिरमिटिया प्रवासी हिंदी साहित्यकारों का लक्ष्य पांडित्य-प्रदर्शन करना नहीं था। उन्हें यह चिंता नहीं थी कि वे जिस हिंदी में लिख रहे हैं, वह साहित्यिक भाषा या व्याकरण-सम्मत भाषा या परिमार्जित भाषा है कि नहीं। उन्हें मात्र अपनी भावनाओं की सरल अभिव्यक्ति करनी थी। अनेक भाषाओं और बोलियों के शब्दों को अपनाते हुए उन्होंने हिंदी साहित्य को एक अलग स्वरूप प्रदान किया। हिंदी प्रेम की अग्नि में उन्होंने हिंदी और अन्य भाषाओं व बोलियों की ध्वनियों, शब्दों और वाक्यों को पकाकर पाठकों को ऐसा साहित्य परोसा, जिसे ग्रहण करके पचाने में कोई कठिनाई नहीं होती है। उनकी भाषा में अत्यंत सादगी है। उदाहरण के तौर पर फ़िजी के पंडित कमला प्रसाद मिश्र लिखते हैं –

"है मुझे बर्दाश्त, पाऊँ नित्य आधी रात खाना
है मुझे बर्दाश्त, आधी रात सूखा भात खाना
पर नहीं बर्दाश्त, मुझको साहेबों के लात खाना।"

शब्दों के भाव को पाठक आसानी से समझ जाते हैं। वास्तव में, जिस गिरमिटिया देश की ज़मीन पर हिंदी साहित्य रचा गया, वहाँ प्रयुक्त होने वाली हिंदी भाषा, उसके व्याकरण के नये ढाँचे और नई शब्दावली का प्रयोग गिरमिटिया प्रवासी हिंदी साहित्य को एक अलग पहचान दिलाता है। इस संदर्भ में 'प्रवासी हिंदी साहित्य की अपेक्षाएँ' विषय पर अपने आलेख में डॉ. विनय सितिजोरी लिखते हैं -

"प्रवासी साहित्य को हर हालत में अपनी एक अलग पहचान के साथ सामने आना था। भारत के साहित्यिक स्वर को अपनाते हुए भी उसे भिन्न होना था। यही कारण है कि प्रवासी साहित्य भारतीय साहित्य के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल सकने की कामना के साथ अपनी अस्मिता विशेष को भी बरकरार रखने का हकदार था।"

गिरमिटिया देशों के हिंदी साहित्यकारों ने कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक आदि लिखकर प्रकाशकों तक अपनी रचनाएँ पहुँचाईं। प्रकाशकों ने पत्र-पत्रिकाओं में अथवा पुस्तक के रूप में रचनाओं का प्रकाशन करके पाठकों को सुपुर्द किया। अब पाठकों का दायित्व है कि वे इस साहित्य को पूरे विश्व में प्रसारित करें तथा युवा पीढ़ी तक पहुँचाएँ। आज के प्रौद्योगिकी युग में इंटरनेट के माध्यम से गिरमिटिया प्रवासी हिंदी साहित्य के पठन को बढ़ावा देना आवश्यक है। पाठकों को इस साहित्य पर गहनतापूर्वक सोचने और इसे समझने की प्रेरणा देनी है। इसकी समीक्षा एवं आलोचना भी ज़रूरी है तथा मुख्य धारा के साहित्य में इसकी मान्यता का औचित्य है।

गिरमिटिया देशों में हिंदी साहित्य का स्वरूप, संवेदना और सृजन-प्रक्रिया एक नए सरोकार का साहित्य है। इसकी अपनी एक स्वतंत्र सत्ता है और इसे विमर्श का विषय बनाना सर्वथा उचित है। विभिन्न देशों के विद्यालयों में हिंदी पाठ्यक्रम के अंतर्गत गिरमिटिया प्रवासी हिंदी साहित्य को स्थान दिया जा रहा है। बी०ए०, एम०ए०, पी०एच०डी० आदि स्तरों पर गिरमिटिया देशों के हिंदी साहित्य पर शोधकार्य किया जा रहा है। यदि इस साहित्य के मर्म को समझने में पाठक, अध्येता और शोधकर्ता सक्षम होंगे, तो इसका उचित सम्मान करेंगे। ऐसा करने से गिरमिटिया हिंदी प्रवासी साहित्य को सम्बल मिलेगा और विश्व हिंदी साहित्य को स्थायित्व मिलेगा।

डॉ. माधुरी रामधारी
महासचिव